पटना ● शनिवार , 22 फरवरी 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 वर्षः 6 , अंकः47 www. bordernewsmirror@gmail.com 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

RNI N.- BIHBIL/2022/88070

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

100 दिवसीय सघन टीबी अभियान ... 3 www. bordernewsmirror.com दिवंगत मां स्मिता पाटिल के... 7

संभल दंगों की दुबई में रची गई थी साजिश

डी-कंपनी की थी तैयारी, विदेशी कारतूस का हुआ इस्तेमाल

संभल (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के संभल में 24 नवंबर को हुई हिंसा को लेकर यूपी पुलिस ने गुरुवार को 400 पेज की चार्जशीट फाइल की। इसमें बताया गया है कि किस तरह से दुबई में रहने वाला शारिक साठा हिंसा का मास्टरमाइंड था। शारिक साठा अभी दुबई में है और उसका संबंध डी कंपनी से भी है। चार्जशीट में बताया गया कि इस हिंसा के पीछे डी कंपनी का हाथ था। पुलिस ने कहा कि शारिक साठा का दिल्ली में एक गिरोह था और इसने दिल्ली-एनसीआर में

300 से अधिक गाड़ियां चुराई थी। चार्जशीट के अनुसार शारिक का संबंध दाऊद इब्राहिम और पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से है। वह नकली पासपोर्ट का इस्तेमाल कर देश से भागा था। चार्जशीट में 79 आरोपियों के नाम शामिल है और सभी जेल में बंद हैं। पुलिस ने बताया कि अब इसके बाद सप्लीमेंट्री चार्जशीट भी दाखिल की जाएगी। चार्जशीट में समाजवादी पार्टी के स्थानीय सांसद जियाउर रहमान बर्क का भी नाम शामिल है। वहीं स्थानीय विधायक इकबाल महमूद के बेटे सुहेल इकबाल का भी नाम शामिल है।

मुझे हलके में मत लेना, जिसे जो समझना हो समझ ले

तमाम तरह की अटकलों के बीच एकनाथ शिंदे के बड़े बोल

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र सीएम देवेंद्र फडणवीस और एकनाथ शिंदे में चल रही अनबन की अटकलों के बीच डिप्टी सीएम ने बड़ा बयान दिया है। एकनाथ शिंदे ने दो टूक कहा है कि कोई भी उन्हें हलके में न ले और जिसे यह समझना है, वह समझ ले। महाराष्ट्र में एनडीए सरकार बनने के बाद से ही शिंदे और फडणवीस में समय-समय पर टकराव की अटकलें लगती रही हैं। शिंदे कई बार अहम कार्यक्रमों को

छोड़कर अपने पैतृक गांव चले गए, जिसकी वजह से सवाल उठने लगे। वहीं, बीएमसी सरकार ने भी उनके 1400 करोड़ रुपये के टेंडर को खारिज करके शिंदे को झटका दिया था। इन सबके बीच, शिंदे ने नए बयान में कहा है कि उन्हें हलके में नहीं लिया जाना चाहिए। एकनाथ शिंदे ने शुक्रवार को मीडिया से बात करते हुए कहा,मैंने पहले ही कहा है कि जिन्होंने मुझे हलके में लिया है... मैं एक कार्यकर्ता हूं, लेकिन बाला साहेब ठाकरे और दिघे साहेब का कार्यकर्ता हूं और यह समझकर मुझे लेना चाहिए। जब हलके में लिया तो 2022 में पलटी कर दिया सरकार को बदल दिया और आम लोगों की सरकार लेकर आई। डबल इंजन की सरकार चली और उस समय कहा था कि मैं और देवेंद्र जी 200 से ज्यादा सीटें लेकर आएंगे।

बिहार में गजब की शादी!

टीचर को पहले पीटा फिर छात्रा से कराया विवाह

भागलपुर (एजेंसी)। बिहार के भागलपुर से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। कहलगांव के सिंया गांव में एक बीपीएससी शिक्षक की जबरन शादी करा दी गई। बुधवार रात को ग्रामीणों ने शिक्षक की पिटाई की और एक छात्रा से मंदिर में शादी करवा दी। शिक्षक पर छात्रा से संबंध होने का आरोप था। छात्रा बीएससी की पढ़ाई कर रही है। शिक्षक बिहपुर के रहने वाले हैं और सिंया गांव में किराए पर रहते थे। वे छात्रा को ट्यूशन पढ़ाते थे। जानकारी के

अनुसार, बिहपुर निवासी गोपाल कुमार चौधरी गम्हरपुर मध्य विद्यालय में शिक्षक हैं। वे सिंया गांव में किराए के मकान में रहते थे। वह उसी गांव की एक छात्रा को उसके घर पर ट्यूशन पढ़ाते थे। छात्रा बीएससी की पढ़ाई कर रही है। बुधवार शाम को जब शिक्षक ट्यूशन पढ़ाने गए, तो ग्रामीणों और छात्रा के परिवार वालों ने उन्हें पकड़ लिया। ग्रामीणों और छात्रा के परिवार वालों ने शिक्षक पर छात्रा के साथ संबंध होने का आरोप लगाया। उन्होंने शिक्षक की जमकर पिटाई की और उनका मोबाइल भी तोड़ दिया। इसके बाद गांव के एक मंदिर में छात्रा की मांग में सिंदूर भरवाकर जबरन शादी करा दी। घटना की सूचना मिलते ही गुरुवार सुबह पुलिस सिंया गांव पहुंची और घटना की जानकारी ली।

सात दिन में लौटा दो लूटे हुए हथियार, इसके बाद खैर नहीं

मणिपुर के राज्यपाल ने दिया अल्टीमेटम, कहा-होगी सख्त कार्रवाई

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में जारी हिंसा के बीच राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने लोगों को 7 दिनों के अंदर लूटे हुए हथियार वापस करने का अल्टीमेटम दिया है। इस दौरान भल्ला ने राज्य में पिछले 20 महीनों से जारी हिंसा और साम्प्रदायिक तनाव के मद्देनजर सभी समुदायों से शांति की अपील की है। उन्होंने विशेष रूप से युवाओं से आग्रह किया है कि वे लूटे गए और अवैध रूप से रखे गए हथियारों और गोला-बारूद को निकटतम पुलिस स्टेशन, चौकी या सुरक्षा बलों के शिविर में अगले सात दिनों के भीतर स्वेच्छा से जमा कर दें। राज्यपाल ने आश्वासन दिया है कि एक सप्ताह के अंदर हथियार लौटाने पर कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी, लेकिन इसके बाद ऐसे हथियारों के कब्जे पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह के अपने पद से

इस्तीफा देने के कुछ दिन बाद 13 फरवरी को हिंसा प्रभावित मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगा दिया गया। विधानसभा को भी निलंबित कर दिया गया है। गृह मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, मणिपुर विधानसभा को निलंबित कर दिया गया है, जिसका कार्यकाल 2027 तक है। मणिपुर में भाजपा सरकार का नेतृत्व कर रहे सिंह ने करीब 21 महीने की जातीय हिंसा के बाद मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था।

छग में नक्सलियों के बिछाए बारूदी सुरंग में विस्फोट

डीआरजी जवान घायल, एयरलिफ्ट कर पहुंचाया रायपुर

नारायणपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में बारूदी सुरंग की चपेट में आकर सुरक्षाबल का एक जवान घायल हो गया। पुलिस अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले के छोटेडोंगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत तोयमेटा और कवानार गांव के मध्य जंगल में बारूदी सुरंग की चपेट में आने से जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) का एक जवान घायल हो गया है। पुलिस अधिकारी से मिली जानकारी के अनुसार शुक्रवार के दिन छोटेडोंगर थाने से जिला बल और डीआरजी के संयुक्त दल को गश्त के लिए रवाना किया गया था। अभियान के दौरान दोपहर लगभग 1.45 बजे तोयमेटा और कवानार के बीच जंगल में बारूदी सुरंग विस्फोट की चपेट में आने से डीआरजी का एक जवान घायल हो गया। अधिकारियों ने बताया कि घटना के बाद घायल जवान को जंगल से बाहर निकाला गया। फिलहाल जवान की हालत खतरे से बाहर है। उन्होंने बताया कि प्राथमिक इलाज करने के बाद घायल जवान को बेहतर इलाज के लिए हेलीकॉप्टर से एयरलिफ्ट कर रायपुर भेजा जा रहा है।

सड़क हादसों वाला शुक्रवार, 16 की मौत

● महाकुंभ आने-जाने के दौरान हुए तीनों हादसे ● पटना लौट रही कार ट्रक में घुसी, 6 की मौत

यूपी में दो हादसों में 10 लोगों ने गंवाई जान

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाकुंभ से जुड़े तीन हादसों में 16 लोगों की मौत हो गई। इनमें से दो हादसे उत्तर प्रदेश, तो एक हादसा बिहार में हुआ। दो एक्सीडेंट में लोग महाकुंभ में स्नान करके लौट रहे थे, जबकि एक परिवार डुबकी लगाने जा रहा था। बिहार के भोजपुर में महाकुंभ से लौट रही कार ट्रक के पीछे घुस गई। इसमें 6 लोगों की मौत हो गई। इनमें से चार लोग एक ही परिवार के थे। वहीं, वाराणसी में प्रयागराज हाईवे पर श्रद्धालुओं की कार खड़े ट्रक से टकरा गई। ये लोग स्नान करने जा रहे थे। इधर, यूपी के ही गाजीपुर में महाकुंभ से लौटते हुए एक कार वाराणसी-गोरखपुर हाईवे पर खड़े ट्रॉले से टकरा गई। इसमें 4 की मौत हो गई। मृतकों में पूर्णिया (बिहार) के निर्दलीय सांसद पप्पू यादव की भांजी भी थीं।

भोजपुर में कार ट्रक में घुसी

बिहार के भोजपुर में महाकुंभ से लौट रहे 6 लोगों की सड़क हादसे में मौत हो गई। मरने वालों में एक परिवार के 4 लोग (दंपति, बेटा और भतीजी) थे। घटना शुक्रवार सुबह पटना से 40 किमी पहले आर-मोहनिया नेशनल हाईवे पर दुल्हनगंज बाजार स्थित पेट्रोल पंप के पास हुई। यहां कार सड़क किनारे खड़े ट्रक पर पीछे से घुस गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। कार का एक पहिया 20 फीट दूर पड़ा मिला। सभी शव कार के अंदर फंस गए।

● **वाराणसी में खड़े ट्रक से कार टकराई:** वाराणसी-प्रयागराज हाईवे पर महाकुंभ जा रहे कर्नाटक के श्रद्धालुओं की कार खड़े ट्रक से टकरा गई। पति-पत्नी समेत 6 लोगों की मौत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि महिला का सिर कटकर सड़क पर जा गिरा। कार पूरी तरह डैमेज हो गई। सभी सवारियां गाड़ी में फंस गईं। चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मदद के लिए दौड़े। हादसा शुक्रवार सुबह जीटी रोड पर मिर्जामुराद के पास हुआ। क्रूजर जीप में ड्राइवर समेत 11 लोग सवार थे। परिवार कर्नाटक का रहने वाला था।

● **महाकुंभ से लौटते हुए हादसा, 4 की जान गई:** यूपी के गाजीपुर में गुरुवार रात सड़क हादसे में 4 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में पूर्णिया सांसद पप्पू यादव की भांजी डॉ. सोनी यादव, उनकी बुआ गायत्री देवी, मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव विपिन मंडल और ड्राइवर सलाउद्दीन शामिल हैं। सभी प्रयागराज से महाकुंभ स्नान कर लौट रहे थे, तभी उनकी कार वाराणसी-गोरखपुर फोरलेन हाईवे पर खड़े ट्रेलर से टकरा गई। हादसे में 4 लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। डॉ. सोनी के असिस्टेंट दीपक झा गंभीर रूप से घायल हैं। शुरुआती जांच में पता चला कि ड्राइवर को नींद आने के कारण यह हादसा हुआ। ड्राइवर सलाउद्दीन को नींद आने पर दीपक झा ने गाड़ी चलाना शुरू किया था।

दिल्ली के मोहल्ला क्लीनिक अब कहलाएंगे आरोग्य मंदिर

● **बीजेपी सरकार का बड़ा फैसला, 30 दिन में होगा बदलाव**

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य विभाग की बैठक में बड़ा फैसला लिया गया है। दिल्ली की 553 मौजूदा मोहल्ला क्लीनिकों को शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर (यू-एएएम) में अपग्रेड किया जाएगा। इसके लिए 30 दिनों का लक्ष्य रखा गया है यानी 30 दिनों के भीतर दिल्ली के 553 मोहल्ला क्लानिक आरोग्य मंदिर में बदल जाएंगे। दिल्ली में सरकार बनने के बाद से मोहल्ला क्लीनिक का नाम बदले जाने की खबरें थी। राजौरी गार्डन से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक मनजिंदर सिंह सिरसा ने भी कहा था कि मोहल्ला क्लीनिकों का नाम बदलकर आयुष्मान आरोग्य मंदिर रखा जाएगा, ताकि वे लोगों की सेवा के वास्तविक केंद्र

बन सकें। बता दें, दिल्ली चुनाव के दौरान भाजपा ने मोहल्ला क्लीनिक के जरिए भी आम आदमी पार्टी पर भष्टाचार और दिल्ली के लोगों को लूटने का आरोप लगाया था। ऐसे में भाजपा की सरकार आने के बाद मोहल्ला क्लीनिकों को लेकर कई अटकलें लगाई जा रही थी। ऐसे में दिल्ली सरकार ने मोहल्ला 30 दिनों के अंदर मोहल्ला क्लीलिक को शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर में बदलने का फैसला किया है। इससे पहले दिल्ली के नवगठित मंत्रिमंडल ने गुरुवार को अपनी पहली बैठक में राजधानी में आयुष्मान भारत स्वास्थ्य बीमा योजना के कार्यान्वयन को मंजूरी दी, महिला समृद्धि योजना पर चर्चा की और आठवीं विधानसभा के पहले सत्र में कैग की 14 लंबित रिपोर्ट पेश करने का भी निर्णय लिया। दिल्ली की मुख्यमंत्री के रूप में अपने पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस में रेखा गुप्ता ने कहा कि आम आदमी पार्टी की पिछली सरकार ने शहर में स्वास्थ्य योजना लागू नहीं होने दी, जिससे लोगों को इसका फायदा नहीं मिल पाया था। उन्होंने कहा, ''पिछली सरकार ने दिल्ली में आयुष्मान भारत योजना को रोक दिया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसे पूरे देश में लागू किया और अब हमने इसे दिल्ली के लिए मंजूरी दे दी है।'' मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदित योजना के तहत प्रत्येक लाभार्थी को कुल 10 लाख रुपये का स्वास्थ्य कवर प्रदान किया जाएगा, जिसमें केंद्र और दिल्ली सरकार 5-5 लाख रुपये का योगदान देंगी।

यूपी सरकार विफल... इसको हटाया जाना चाहिए

मिशन 2027 में अभी से जुटने को कार्यकर्ताओं से राहुल ने किया आह्वान

कहा-यह सरकार नौकरियां देने में अक्षम है, सरकार से सवाल पूछने को कहा

रायबरेली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता एवं रायबरेली सांसद राहुल गांधी ने बीजेपी सरकार पर जमकर हमला बोला है। राहुल गांधी ने बीजेपी सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि यूपी की सरकार विफल सरकार है। इस सरकार को हटाया जाना चाहिए। केंद्र स्कूल, कॉलेजों का निजीकरण कर रही है। यह सरकार नौकरियां देने में सक्षम नहीं है। राहुल गांधी दो दिवसीय दौरे पर रायबरेली पहुंचे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया फेसबुक पर एक पोस्ट किया और लिखा, रायबरेली की मोहब्बत और

मिठास का कोई मुकाबला नहीं। दो दिवसीय दौरे पर शुक्रवार को कांग्रेस नेता रायबरेली पहुंचे। राहुल गांधी ने युवा संवाद के दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं से संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया। साथ ही उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 के लिए अभी जुट जाने के लिए कहा। अडाणी को लेकर राहुल गांधी ने कहा कि मोदीजी अमेरिका जाकर कहते हैं कि मेरा पर्सनल मैटर है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि दो हिन्दुस्तान है। एक अडाणी, अंबानी और एक गरीबों का हिन्दुस्तान है। राहुल गांधी ने लोगों से कहा कि आपने जो शादी देखी, वो उनका नहीं आपका पैसा है। दो हिन्दुस्तान नहीं चाहिए। डरना नहीं चाहिए और आपको सवाल पूछना चाहिए। राहुल गांधी ने कहा कि रोजगार और बेरोजगारी पर सवाल पूछें।

महाशिवरात्रि पर काशी में भक्तों के लिए विशेष व्यवस्था

45 घंटे तक खुला रहेगा मंदिर का गर्भगृह, झरोखा दर्शन की मिलेगी सुविधा

वाराणसी (एजेंसी)। काशी विश्वनाथ मंदिर में महाशिवरात्रि पर भक्तों के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। 26 फरवरी को मंगला आरती के बाद गर्भगृह लगातार 45 घंटे खुला रहेगा। सुबह 2.30 बजे मंगला आरती के बाद मंदिर के कपाट खुलेंगे और 27 फरवरी की रात शयन आरती तक दर्शन का सिलसिला जारी रहेगा। इस दौरान भक्त झरोखा दर्शन कर सकेंगे। मंदिर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) विश्व भूषण मिश्रा ने बताया कि महाशिवरात्रि की तैयारियां जोरों पर हैं। बुधवार को भगवान शिव के विवाह की रस्में पूरी की गईं। गुरुवार को उन्होंने बताया, 26 फरवरी को सुबह 2.30 बजे मंगला आरती के तुरंत बाद गर्भगृह के कपाट खोल दिए जाएंगे। उसके बाद, 27 फरवरी को शयन आरती तक कपाट खुले रहेंगे। प्रयागराज में

चल रहे महाकुंभ मेले के कारण काशी विश्वनाथ मंदिर में इन दिनों 5 से 7 लाख श्रद्धालु रोजाना आ रहे हैं। महाशिवरात्रि पर और भी भारी भीड़ की उम्मीद है। मंदिर प्रशासन भक्तों को सुगम दर्शन की सुविधा देने की पूरी तैयारी कर रहा है। कुंभ के बाद सात शैव अखाड़ों के नागा साधु भी अपनी पारंपरिक शोभायात्रा के साथ मंदिर पहुंचेंगे। सीईओ ने आगे बताया कि भक्तों को गर्भगृह के चारों द्वारों से झरोखा दर्शन की सुविधा मिलेगी। इस दौरान स्पर्श दर्शन की व्यवस्था नहीं रहेगी। झरोखा दर्शन का मतलब है कि भक्त

गर्भगृह के बाहर से ही शिवलिंग के दर्शन कर पाएंगे। 13 दिसंबर, 2021 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा काशी विश्वनाथ धाम के लोकार्पण के बाद से, मंदिर में नए साल, महाशिवरात्रि और श्रावण के सोमवार जैसे अवसरों पर भक्तों की भारी भीड़ उमड़ रही है। एक दिन में आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या के मामले में कई नए रिकॉर्ड बने हैं। महाकुंभ के दौरान तो एक दिन में आठ लाख से भी ज्यादा श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। मेले की शुरुआत 13 जनवरी से अब तक दो करोड़ श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। सीईओ ने बताया कि महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य में काशी विश्वनाथ धाम के सभी देवी-देवताओं का रुद्राभिषेक शुरू हो चुका है। यह एक पवित्र अनुष्ठान है जो भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए किया जाता है। इसमें दूध, दही, घी, शहद, जल आदि से अभिषेक किया जाता है। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर काशी विश्वनाथ के दर्शन का विशेष महत्व है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन भगवान शिव की पूजा करने से सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। इसलिए देश के कोने-कोने से श्रद्धालु बाबा विश्वनाथ के दर्शन के लिए काशी आते हैं। मंदिर प्रशासन ने भीड़ को देखते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की हैं ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी ना हो।

संक्षिप्त समाचार

सहरसा वैश्य समाज और सांसद समर्थकों ने निकाला आक्रोश मार्च

● पुतला फूंका

सहरसा, एजेंसी। खगड़िया जिले के परबत्ता विधानसभा से जदयू विधायक डॉ संजीव कुमार के खिलाफ वैश्य समाज और खगड़िया के लोजपा सांसद राजेश वर्मा के समर्थकों ने सहरसा जिले के सिमरी बख्तियारपुर बाजार में जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। यह विरोध एक वायरल ऑडियो को लेकर किया गया। इसमें विधायक को सांसद और वैश्य समाज के लिए अपशब्द कहते सुना गया। सांसद प्रतिनिधि रितेश रंजन के नेतृत्व में सहरसा के सिमरी बख्तियारपुर में आक्रोश मार्च निकाला गया। मार्च स्टेशन चौक से शुरू होकर मुख्य बाजार होते हुए शर्मा चौक तक पहुंचा। प्रदर्शनकारियों ने विधायक का पुतला दहन किया और उनके खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि विधायक के बयान से समाज की भावनाएं आहत हुई है। उन्होंने विधायक से सार्वजनिक माफी की मांग की है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और जदयू नेतृत्व से कार्रवाई की मांग की है। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी है कि जब तक विधायक माफी नहीं मांगते, उनका विरोध जारी रहेगा।

बैंक मैनेजर पर महिला कर्मी ने लगाया छेड़खानी का आरोप

● किशनगंज में मैनेजर ने दिखाया अश्लील वीडियो, लॉकर रूम में की छेड़छाड़

किशनगंज, एजेंसी। किशनगंज में एसबीआई पश्चिम पाली शाखा के मैनेजर पर एक महिला बैंक कर्मी ने छेड़खानी का आरोप लगाया है। मामले को लेकर महिला कर्मी ने महिला थाना में आवेदन देकर बैंक मैनेजर के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। जानकारी के अनुसार युवती स्टेट बैंक ऑफ इंडिया पश्चिम पाली शाखा में ब्रांच रिलेशनशिप एग्जीक्यूटिव के पद पर कार्यरत थी। करीब चार महीने पहले पूर्व ब्रांच मैनेजर कौशल कुमार ठाकुर ने अपने चैंबर में महिला कर्मी को बुलाकर अपने मोबाइल पर अश्लील विडियो चला देता था। इसके अलावा 19 सितंबर 2024 को बैंक के लॉकर रूम में पीड़िता खाना खा रही थी उस वक्त मैनेजर कौशल लॉकर रूम में पहुंच गए और पीड़िता के साथ छेड़ छाड़ करते हुए शरीर पर हाथ डालने लगा। मैनेजर से तंग आकर महिला कर्मी 3 महीने से बैंक नहीं जा रही थी। इसके बाद भी मैनेजर मोबाइल से अश्लील बातें करता था।

2 छात्रों को बदमाशों ने मारी गोली, हालत गंभीर

● सासाराम में मैट्रिक परीक्षा के दौरान चीटिंग को लेकर विवाद, आरोपियों की खोज जारी

सासाराम (रोहतास), एजेंसी। सासाराम के राष्ट्रीय राजमार्ग 19 पर गुरुवार की मैट्रिक परीक्षा के दौरान चीटिंग को लेकर हुए विवाद के बाद दो परीक्षार्थियों को गोली मार दी गई। यह घटना बुढ़न मोड़ स्थित संत अन्ना स्कूल के पास की है। घायल छात्र डेहरी मुफस्सिल थाना क्षेत्र के शंभू बीघा गांव का रहने वाला है। एक छात्र की पहचान अमित कुमार के रूप में हुई है। वह मंजू यादव का बेटा है। दूसरे की पहचान 16 साल के संजीत कुमार के रूप में की गई है। वह कमलेश सिंह का बेटा है। घटना मां ताराचंडी धाम के पास हुई। स्थानीय लोगों की मदद से एक छात्र को नारायण मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। दूसरे को सदर अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर लाया गया। ट्रॉमा सेंटर में तैनात डॉक्टर राजेश कुमार ने बताया कि एक छात्र की पीठ में गोली लगी है। गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। धौडांड थाने की पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नालंदा को 820 करोड़ की सौगात, मुख्यमंत्री नीतीश ने किया 250 योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास

पटना, एजेंसी। दिल्ली में आज बीजेपी की नई मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का शपथ ग्रहण समारोह है लेकिन बिहार के सीएम नीतीश कुमार उसमें शामिल नहीं हुए. वह प्रगति यात्रा के तहत आज अपने गृह क्षेत्र नालंदा में हैं. जहां उन्होंने जिले वासियों को 820 करोड़ की लागत से चल रही 250 से अधिक योजनाओं की सौगात दी.

नालंदा को दी बड़ी सौगात

मुख्यमंत्री ने आज 820 करोड़ रुपये की 250 योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया. उनका यह दौरा खासतौर पर नानंद गांव और आसपास के क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है. जहां तालाब, फिटनेस पार्क, जिम, सामुदायिक भवन और पुस्तकालय सहित करोड़ों की योजनाओं का शुभारंभ हुआ है.

क्या बोले राजगीर विधायक?

जेडीयू विधायक कौशल किशोर ने बताया कि आज मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राजगीर विधानसभा क्षेत्र में कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे. इन योजनाओं के शुरू होने से ग्रामीणों को कई लाभ मिलेंगे. इसके अलावा सीएम मोहनपुर स्थित मत्स्य हैचरी का भी दौरा करेंगे, जहां वे मछली बीज उत्पादन का निरीक्षण करेंगे. साथ ही ये जानने की भी कोशिश करेंगे किस तरह मछली पालन के माध्यम से लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं. इसके लिए वे मत्स्य पालन से जुड़े किसानों और अधिकारियों से बातचीत भी कर सकते हैं. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार प्रगति यात्रा के दौरान तालाब, फिटनेस पार्क, जिम, सामुदायिक भवन, पुस्तकालय सहित 820 करोड़ की लागत से चल रही 250 से अधिक योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे. राजगीर विधानसभा क्षेत्र में भी कई विकास परियोजनाओं का शुभारंभ होगा. मोहनपुर स्थित मत्स्य हैचरी का भी वह दौरा करेंगे, जहां वे मछली बीज उत्पादन का निरीक्षण करेंगे.- कौशल किशोर, जेडीयू विधायक, राजगीर

जेडीयू कार्यकर्ता से लेकर आम लोग भी उत्साहित

नीतीश कुमार के दौरे को लेकर प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है. सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं. संबंधित विभागों को समय से पहले सभी तैयारियां पूरी करने का निर्देश दिया गया था. सीएम के इस दौरे को लेकर स्थानीय लोग भी बेहद उत्साहित हैं और उन्हें उम्मीद है कि इससे क्षेत्र में विकास को और गति मिलेगी. इसके साथ ही स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत मुख्यालय बिहारशरीफ पूरी तरह से सजधज कर तैयार है और पूरा शहर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पोस्टर से पटा पड़ा है.

रोजगार पर सीएम का फोकस

मुख्यमंत्री के इस दौरे में मुख्य फोकस स्थानीय स्तर पर रोजगार बढ़ाने और ग्रामीण विकास को गति देने पर होगा. बिहार सरकार मछली पालन को बढ़ावा देने के लिए मत्स्य हैचरी जैसी परियोजनाओं को आगे बढ़ा रही है, ताकि किसानों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाया जा सके. सीएम अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक भी करेंगे, जिसमें वह योजनाओं की प्रगति पर चर्चा करेंगे.

बिहार में भीषण हादसा, महाकुंभ से लौट रही कार ट्रक में घुसी, 5 मिनट में 6 लोगों की मौत

भोजपुर, एजेंसी। बिहार के भोजपुर में भीषण सड़क हादसा हुआ है. हादसे में छह श्रद्धालुओं की दर्दनाक मौत हो गई. भोजपुर के जगदीशपुर थाना क्षेत्र के दुल्हीनगंज पेट्रोल पंप के समीप सुबह यह हादसा हुआ. सभी महाकुंभ स्नान कर लौट रहे थे. कार अनियंत्रित होकर ट्रक के अंदर घुस गयी.

भोजपुर में दर्दनाक हादसा

बताया जाता है कि मोहनियां-आरा मार्ग पर कार और ट्रक की टक्कर हुई, जिसमें सभी लोगों की जान चली गई. जिस कारण से घटना हुई है, वह पटना नंबर की है. मृतक भी पटना निवासी ही बताए जा रहे हैं. मरने वालों में 4 महिलाएं और दो पुरुष शामिल हैं.

इनकी हुई मौत

मरने वालों की पहचान पटना जक्कनपुर सुदामा कॉलोनी निवासी स्व. विशुनदेव प्रसाद के पुत्र संजय कुमार(62), पत्नी करुणा देवी(58), बेटा लाल बाबू सिंह(25), बेटी प्रिया कुमार (20) और पटना के कुम्हरार निवासी आनंद सिंह की बेटी आशा किरण(28) और चंद्रभूषण प्रसाद की बेटी जूही रानी(25) के रूप में हुई है.

महाकुंभ से लौट रहे 6 लोगों की मौत

स्थानीय लोगों के मुताबिक तेज रफ्तार के कारण हादसा हुआ. आरा मोहनिया (फोरलेन) ट्रक खड़ी थी, तभी पीछे से तेज रफ्तार में आ रही कार ट्रक में घुस गई. कार में सवार सभी 6 लोगों की मौत हो गई.

5 मिनट में सभी की मौत

घटना अहले सुबह 3 बज कर 17 मिनट पर हुई है. पास में मौजूद पेट्रोल पंप के चश्मदीद स्टाफ ने बताया कि हादसा इतना जोरदार था कि आवाज सुनकर डर गए और दौड़ कर गाड़ी के पास पहुंचे. महज 5 मिनट लगा होगा पहुचने में तब तक कोई जिंदा नहीं बचा.

कैसे हुआ हादसा?

स्थानीय लोगों ने बताया, हादसे को देखकर ऐसा लग रहा था कि कार के ड्राइवर को नींद आ गई हो, जिस कारण यह हादसा हुआ. घटना के बाद से ट्रक ड्राइवर फरार हो गया. कार ने काफी जोर से टक्कर मारते हुए ट्रक में जा घुसी. टक्कर लगते ही कार के परखच्चे उड़ गए. एक पहिया 20 फीटर दूर जाकर पड़ा मिला. कार के कई पार्टस इधर-उधर बिखड़ा पड़ा मिला. स्थानीय लोगों ने मशक्कत से कार में फंसे लोगों को निकाला लेकिन सभी की मौत हो चुकि थी.

नालंदा में सैकड़ों की संख्या में जिराइन नदी में उतरे लोग, ट्रैक्टर पर बालू भरकर ले गए

नालंदा, एजेंसी। नालंदा में पुलिस से बेखौफ बालू माफियाओं का एक वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो में दिख रहा है कि आधा दर्जन से अधिक ट्रैक्टर लेकर सैकड़ों लोग नदी से बालू का अवैध रूप से खनन कर रहे हैं। पूरा मामला मानपुर थाना क्षेत्र के देकुली पुल के समीप जिराइन नदी का है। वायरल हो रहा वीडियो शुक्रवार सुबह का है। वीडियो में दिख रहा है कि मानपुर थाना क्षेत्र से होकर बहने वाली जिराइन नदी में लगभग आधा दर्जन से अधिक ट्रैक्टर मौजूद हैं। सैकड़ो लोग बालू का अवैध रूप से उत्खनन कर उसे ट्रॉली में भरने में जुटे हुए हैं। बालू माफियाओं की इस हरकत से नदी और पर्यावरण ही नहीं बल्कि जिराइन नदी पर बने देकुली पुल को भी नुकसान हो सकता है। पुल के इतने नजदीक अवैध रूप से खनन करने से पुल का नींव कमजोर हो सकता है।

पहचान कर कार्रवाई में जुटी पुलिस : इस मामले में मानपुर थाना अध्यक्ष सुमन कुमार ने बताया कि क्षेत्र में एक व्यक्ति की संदिग्ध हालत में मौत हो गई है। इसी सिलसिले में पुलिस सदर अस्पताल में है। इसी का फायदा उठाकर बालू माफियाओं के द्वारा अवैध रूप से बालू का खनन किया गया है। वायरल वीडियो के आधार पर पहचान कर बालू माफिया के खिलाफ पुलिस कार्रवाई में जुट गई है। पिछले सप्ताह ही 10 लाख रुपए का फाइन बालू माफिया के खिलाफ किया गया है।

दहलाने की साजिश नाकाम, जमुई में रेलवे ट्रैक के पास मिला 45 किलो बारूद

जमुई, एजेंसी। बिहार के जमुई में रेलवे ट्रैक के पास 45 किलो बारूद मिला है. मामला सिमुलतला थाना क्षेत्र अंतर्गत धोडपारन का है. जहां सुरक्षाबलों को ये बड़ी कामयाबी हाथ लगी है. जंगल से बरामद किये गए 45 किलो सफेद बारूद को सुरक्षित तरीके से डिफ्यूज कर दिया गया है. स्वान दस्ता की टीम ने खोज निकाला बारूद: सशस्त्र सुरक्षा बल के स्वान दस्ता की टीम ने सिमुलतला थानाक्षेत्र के घोरपारन जंगल से 45 किलोग्राम सफेद रंग का बारूद बरामद किया है. घटना के बाद बम निरोधक दस्ता की टीम ने जंगल में ही बारूद को नष्ट कर दिया. जानकारी के अनुसार बीते दो दिन पहले एसएसबी को गुप्त सूचना मिली थी कि जंगल में कहीं बारूद छुपाया गया है.

रेलवे ट्रैक से 500 मीटर की दूरी पर मिला बारूद: कंपनी कमांडर जितेंद्र सिंह के नेतृत्व में टीम बीते दो दिनों से लगातार बारूद बरामदगी के लिए खाक छान रही थी. जंगल में रेलवे ट्रैक से 500 मीटर की दूरी पर एक बोरे में बारूद बरामद हुआ है. बारूद पर पहली नजर स्वान की उसके गंध के कारण गई. जिसके बाद घटना की जानकारी स्थानीय पुलिस को दी गई.

बम निरोधक दल बारूद को जलाया: सर्किल निरीक्षक संतोष कुमार सिंह के नेतृत्व में सिमुलतला थानाध्यक्ष धनंजय कुमार घटना स्थल पर पहुंच गए. बाद में बम निरोधक दल और एसटीएफ की टीम भी घटना स्थल पर पहुंच गई. बम निरोधक दल ने एसएसबी और स्थानीय पुलिस की मौजूदगी में बारूद को जला दिया. बारूद जब तक जलकर नष्ट नहीं हो गया तबतक मीडिया कर्मियों को पूरी घटना क्रम से दूर रखा गया.

वहीं थानाध्यक्ष ने बताया कि बारूद का सैंपल रखा गया है. ये सफेद रंग का है अमोनियम नाइट्रेट लग रहा है. सिमुलतला के थानाध्यक्ष धनंजय कुमार का कहना है कि कौन सा बारूद है इसकी सही जानकारी जांच के बाद ही स्पष्ट होगी. जितनी मात्रा में बारूद बरामद हुआ है, अगर विस्फोट के लिए उपयोग होता तो बड़ी घटना का शक्ल अख्तियार कर सकता था.

दरभंगा में सरकारी जमीन पर कब्जा !

बांस और फीता लेकर जमीन घेरने पहुंच गये लोग

दरभंगा, एजेंसी। बिहार में लूट, चोरी और छिनतई की घटनाएं समय-समय पर सुनी जाती रही हैं. वहीं दरभंगा में सरकारी जमीन की लूट का मामला चौंका देने वाला है.

यहां पशुपालन विभाग के 19 एकड़ जमीन को जमीन कारोबारी के इशारे पर स्थानीय लोगों ने लूट (कब्जा) लिया. लोग फीता और बांस आदि लेकर मौके पर पहुंचकर सरकारी जमीन को घेरकर अपना बताने लगे. जिसके बाद यह चर्चा का विषय बना हुआ है।

दरभंगा में सरकारी जमीन की लूट

दरअसल, दरभंगा जिला के लक्ष्मीसागर मुहल्ले में 1973 ई से 19 एकड़ जमीन में पशुपालन विभाग का कार्यालय चल रहा है. वर्तमान में पशुपालन विभाग की तीन एकड़ जमीन में सुधा दूध का डेयरी फार्म चलता है. सात एकड़ जमीन पशुपालन विभाग का तालाब है. दो एकड़ जमीन पर बिजली विभाग सब स्टेशन व पम्प हाउस संचालित हो रहा है और शेष जमीन पर पशुपालन विभाग का कार्यालय और खाली जमीन है.

शिकायत पर मौके पर पहुंची पुलिस

वहीं पशुपालन पदाधिकारी इंतखाब आलम ने बताया कि यहां के चिकित्सक अरुण कुमार द्वारा सूचना मिली कि पशुपालन विभाग के चारों तरफ खाली जमीन को असामाजिक तत्वों के लोग के द्वारा कब्जा किया जा रहा है. तुरंत डायल 112 व वरीय अधिकारी को शिकायत की. जिसके बाद संज्ञान लेते हुए एसडीओ, सीओ डीसीएलआर ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया. इसकी लिखित शिकायत विश्वविद्यालय थाना मे दर्ज करवाया है.

बांस, फीता से घेरने लगे जमीन

वहीं स्थानीय अमित कुमार साह ने बताया की यह जमीन पशुपालन विभाग की जमीन है. बचपन में हमलोग इस जमीन पर क्रिकेट खेलते आए हैं. पता चला कि पशुपालन विभाग की जमीन की लूट हो रही है. यही देखने यहां आये तो, देखा कि लोग बांस, फीता ओर डोरी लेकर जमीन को घेर रहे है. दरभंगा के जिलाधिकारी राजीव रोशन का कहना है कि यह मामला पूरी तरह से गलत है. अगर कोई सरकारी जमीन कब्जा पर करेंगे तो कानून अपने हिसाब से कार्रवाई करेगी. इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है. जो लोग दोषी पाएंगे उन पर उचित कार्रवाई की जाएगी.

बिहार में एक लाख का इनामी नक्सली लोहा सिंह गिरफ्तार, एसएसबी ने दबोचा

गया , एजेंसी। बिहार के गया में एसएसबी 29 वीं वाहिनी और धनगाई पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में कुख्यात नक्सली सुरेश सिंह भोक्ता उर्फ लोहा सिंह को गिरफ्तार किया गया है. यह लंबे अरसे से फरार चल रहा था. सुरक्षा बल इसे लगातार तलाश रहे थे. इसी बीच नक्सली सुरेश सिंह भोक्ता उर्फ लोहा सिंह के संबंध में एसएसबी को इनपुट मिला था.

एसएसबी कमांडेंट को मिली थी सूचना

जानकारी के अनुसार, 29वीं वाहिनी एसएसबी गया के कमांडेंट हरे कृष्णा गुप्ता को कुख्यात नक्सली सुरेश सिंह भोक्ता उर्फ लोहा सिंह के संबंध में सूचना मिली थी. इसके बाद एसएसबी धनवाई समवाय और धनगाई पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई की. इस क्रम में धनगाई थाना अंतर्गत तिलेटांड़ में छापेमारी की गई.

नक्सली लोहा सिंह के खिलाफ कई मामले दर्ज

सुरक्षा बलों ने मौके पर घेराबंदी की और फरार चल रहे एक लाख के कुख्यात इनामी नक्सली लोहा सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया. इसकी गिरफ्तारी सुरक्षा बलों के लिए एक बड़ी उपलब्धि बताई जा रही है. इसके खिलाफ मगध के जिलों में कई कांड अंकित बताए जाते हैं. एसएसबी 29वीं वाहिनी गया के कमांडेंट हरे कृष्णा गुप्ता ने बताया कि एक लाख के इनामी नक्सली की गिरफ्तारी की गई है. यह काफी कुख्यात नक्सली बताया जाता है. बताया कि गुप्त सूचना मिलने के बाद एसएसबी धनगाई समवाय और धनगाई पुलिस ने संयुक्त छापेमारी की और फिर इस कुख्यात इनामी माओवादी को गिरफ्तार कर लिया गया. गिरफ्तार नक्सली को धनगाई थाना की पुलिस को सौंप दिया गया है.

पहले भी हो चुकी है कार्रवाई

बता दें कि बिहार के गया जिले में नक्सलियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है. इससे पहले भी कई नक्सलियों को दबोचा गया है. सीआरपीएफ, कोबरा, एसएसबी के जवान उन्हें घुटने पर लाने की कोशिश में लगे रहते हैं. गया पुलिस भी लगातार एक्शन में दिखाई देती है.

मांगों को लेकर बैंक कर्मियों ने किया प्रदर्शन

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। फेडरेशन ऑफ बैंक ऑफ इंडिया स्टाफ यूनियनस के आह्वान पर मिठनपुरा स्थित मुजफ्फरपुर आंचलिक कार्यालय पर बैंक कर्मियों ने गुरुवार को विरोध प्रदर्शन किया। साथ ही अपनी मांगों से संबंधित एक ज्ञापन आंचलिक प्रबंधक को सौंपा। बैंक ऑफ इंडिया इंप्लाइज यूनियन (बिहार स्टेट) के सचिव पंकज कुमार ठाकुर ने बताया कि 27 फरवरी 2021 को हुए समझौतो को लागू करने में बैंक प्रबंधन आनाकानी कर रहा है। बैंक शाखाओं में समुचित संख्या में लिपिक एवं चतुर्थ वर्गीय कर्मियों से बार-बार समझौता करने के बाद भी विलंब होने से कर्मियों में आक्रोश है।

संक्षिप्त समाचार

केसरिया महोत्सव में स्कूली बच्चो ने दी शानदार प्रस्तुति

बीएनएम। मोतिहारीः कला संस्कृति एवं युवा विभाग पर्यटन विभाग एवं शिक्षा विभाग बिहार सरकार द्वारा आयोजित तीन दिवसीय केसरिया महोत्सव के दूसरे दिन स्कूली बच्चो ने शानदार प्रस्तुति दी। केसरिया प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी विनय तिवारी के निर्देशन मे जिले के विभिन्न विद्यालयों के छात्र- छात्राओं द्वारा रंगोली, पेंटिंग, वाद-विवाद,नृत्य संगीत एवं अन्य प्रतियोगिता की प्रस्तुति दी गई,जिसमे केसरिया प्रखंड के अलावे पीपराकोठी, मेहसी, चकिया,अरेराज सहित जिले के अन्य प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों के छात्र छात्राओं ने हिस्सा लिया।महोत्सव में प्रतिभागी सभी छात्र छात्राओं को प्रशस्ति पत्र व मेड़ल देकर सम्मानित किया गया।इस मौके पर विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक और शिक्षिका व बड़ी संख्या दर्शक मौजूद थे।

पुलिस ने चार हजार लीटर अर्धनिर्मित शराब किया विनिष्ट

अवैध शराब की कई भट्ठियां ध्वस्त

बीएनएम। मोतिहारी । जिले के सुगौली थाना पुलिस व एएलटीएफ की टीम ने संयुक्त कारवाई करते हुए अवैध शराब विनिर्माण के लिए बदनाम सुगौली के मेहवा गांव में सघन छापेमारी अभियान चलाया।जहां टीम ने अवैध देशी चुलाई शराब बनाने के कई अवैध भठ्ठियो को ध्वस्त कर करीब चार हजार लीटर अर्द्ध निर्मित कच्चा शराब को विनिष्ट किया है।इस दौरान पुलिस टीम ने शराब बनाने के उपकरण और ड्रम को भी विनष्ट किया। पुलिस ने बताया कि कारोबारियों की पहचान की जा रही है। जिसके बाद उन पर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

510 बोतल नेपाली शराब के साथ कारोबारी युवक गिरफ्तार

बीएनएम। मोतिहारी। जिले के जीतना थाना पुलिस ने 510 बोतल नेपाली शराब के साथ कारोबारी एक युवक को गिरफ्तार किया है।थानाध्यक्ष अमित कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी, कि एक व्यक्ति नेपाल से शराब लेकर भारतीय सीमा पार कर जीतना थाना के तरफ प्रवेश किया है। सूचना के आधार पर पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए सैनिक रोड के निकट नेपाली शराब के साथ युवक पकड़ा गया। जिसके पास बोरा में रखे शराब का कार्टून मिला। जिसमें नेपाली ब्रांड के 510 बोतल शराब रखा बरामद किया गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार युवक की पहचान जितना थाना क्षेत्र के जीतपुर गांव निवासी शंभू मुखिया के पुत्र बनारसी मुखिया के रूप में हुई है।पकड़े गये युवक पर मामला दर्ज कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है।

100 दिवसीय सघन टीबी अभियान का सेन्ट्रल टीम ने किया निरीक्षण

बीएनएम। मोतिहारी

» पोर्टेबल एक्स रे मशीन से संदिग्ध टीबी मरीजों की तुरंत हो रही है पहचान

» टीबी मरीजों के लिए निक्षय मित्र बनकर सहयोग को आगे आएँ समाजसेवी

राष्ट्रीय यक्ष्मा उन्मूलन कार्यक्रम के अन्तर्गत "जिले में 100 दिवसीय सघन टीबी अभियान" की मॉनिटरिंग के लिए राज्य एवं केंद्रीय टीम द्वारा निरीक्षण किया जा रहा है। टीबी के नोडल चिकित्सक डॉ सुनील कुमार ने बताया कि जिले में दो टीम आई है। राज्य स्तर से डॉ गौरव एवं केंद्र स्तरीय टीम में डॉ मजहर हुसैन, दीपक कुमार, सेन्ट्रल टीबी डिविजन के टेक्निकल सपोर्ट मयंक कुमार आये हैं। टीम ने जिला यक्ष्मा अस्पताल मोतिहारी, पिपराकोठी के दक्षिणी चकरदेइ, एपीएचसी टीकुलिया, चकिया में क्षेत्र भ्रमण कर टीबी मरीजों की खोज, पोर्टेबल एक्स रे मशीन द्वारा जाँच के तरीके आदि का निरीक्षण किया। टीम ने सुधार के लिए कई निर्देश दिए तथा इसमें तेजी लाने को कहा। उन्होंने कहा कि समाज को टीबी मुक्त बनाने के लिए जागरूक होना पड़ेगा। उन्होंने लोगों से टीबी मरीजों के पोषण सम्बन्धित सहयोग के लिए निक्षय मित्र बनकर आगे आने का आह्वान किया।

कैंप लगाकर 125 संदिग्ध मरीजों की जाँच हुई- डॉ संजीव ने बताया कि पोर्टेबल मशीन के द्वारा एपीएचसी टीकुलिया में कैंप लगाकर संदिग्ध मरीजों की जाँच हुई जिसमें 125 लोगों की बीपी, शुगर के जाँच के साथ एक्स रे किया गया। इसमें टीबी के 63 संदिग्ध मिले हैं और इनका स्पुटम जाँच के लिए लिया गया। उन्होंने बताया कि टीबी मरीजों की अब आसानी से खोज हो पाएगी। इलाज के बाद इसके संक्रमण दर को खत्म करने में भी आसानी होगी। उन्होंने बताया कि जिले में जनवरी माह में 1139 नए मरीज मिले हैं। इनमें सरकारी अस्पताल में 206 तथा प्राइवेट में 933 हैं।

उन्मूलन के लिए सभी का सहयोग जरूरी - डॉ सुनील कुमार ने बताया कि 100 दिवसीय अभियान के तहत टीबी रोगियों की पहचान कर टीबी से होने वाली मौतों की दर में कमी कर, टीबी से नए लोगों को संक्रमित होने से रोकने के लिए जिला स्तर पर तेज गति से प्रयास किया जा रहा है। टीबी उन्मूलन अभियान की सफलता के लिए निर्वाचित प्रतिनिधियों, पंचायती राज संस्थानों और शहरी स्थानीय निकायों, अन्य समुदाय, निजी क्षेत्र, मीडिया, गैर-सरकारी संगठनों और विभिन्न संबंधित विभागों का शामिल होना महत्वपूर्ण है। सभी का सहयोग मिलेगा तो निश्चित ही टीबी हारेगा। इस मौके पर जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ संजीव, नोडल डॉ सुनील कुमार, डब्लूएचओ के राज्य प्रतिनिधि डॉ कुमार गौरव, जिला यक्षमा केंद्र के अरविन्द कुमार, अमरेंद्र कुमार, मनु सिंह व अन्य लोग उपस्थित थे।

सदर एसडीओ ने टीपीडीएस गोदाम का किया औचक निरीक्षण

बीएनएम। तुरकौलिया

जिले के तुरकौलिया प्रखंड परिसर स्थित लक्षित जनवितरण प्रणाली (टीपीडीएस) गोदाम का शुक्रवार को सदर एसडीओ श्वेता भारती ने औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने गोदाम के स्टॉक में रखे राशन व भंडार पंजी से मिलान किया। लेकिन अंतर नहीं मिला। एसडीओ के निरीक्षण के समय जयसिंहपुर बहुरूपिया के जनवितरण प्रणाली दुकान पर जा रही राशन के बोरो का वजन भी कराया। उसमें भी अंतर नहीं मिला। जबकि जनवितरण प्रणाली दुकानदारों के द्वारा राशन वितरण के दौरान लाभुकों को गुमराह किया जाता है कि टीपीडीएस गोदाम से ही 50 किलो के बजाय 45 किलो वजन का बोरा मिलता है। जो जांच में निराधार पाया गया। इस दौरान उन्होंने सहायक प्रबंधक को निर्देश दिया कि समय पर दुकानों में राशन भेजने का काम करे। बताया जाता है कि क्षेत्र के अधिकांश डीलर गोदाम से कम वजन मिलने की बात कहकर लाभुक से राशन में कटौती करने का काम करते है। वही शंकर सरैया दक्षिणी के मुखिया एजाज अहमद ने पंचायत समिति की बैठक में ही प्रस्ताव दिया कि उनके पंचायत में आठ माह से राशन का वितरण डीलर नहीं किए है। जिसकी जांच की मांग की है।

हाजीपुर-सुगौली रेल लाइन निर्माण कार्य की गति हुई तेज

बीएनएम। मोतिहारी

सुगौली-हाजीपुर निर्माणाधीन रेल लाइन का निर्माण कार्य तेज गति से हो रहा है।निर्माण को लेकर रेलवे के अधिकारियों के साथ स्थानीय अधिकारी भी लगातार दिन रात एक किये है। इसके साथ हीं रेल लाइन बिछाने वाली कम्पनी के कर्मी भी लगातार कार्य में जुटे है। इस बीच रेल लाइन निर्माण कार्य के मार्ग में बहुरूपिया क्षेत्र में कुछ लोग वर्षों से सरकारी जमीन पर अतिक्रमण कर अपनी झोंपड़ी बना कर रह रहे थे।जिसे जिला पुलिस बल और स्थानीय प्रशासन के द्वारा खाली करा लिया गया है।उक्त भूमि पर रेल और स्थानीय अधिकारियों की टीम के देखरेख में फिलहाल मिट्टी भराई का कार्य कराया जा रहा है। हालांकि कुछेक गांवों के किसान के बीच अपने जमीन का मुआवजा नहीं मिलने के कारण आक्रोश व्याप्त है। कार्यस्थल पर उपस्थित सुगौली अंचल अधिकारी कुंदन कुमार सहित रेलवे के विभागीय अधिकारियों से जब इस समस्या के संदर्भ में पूछा गया तो उन्होंने इस समस्या त्वरित निष्पादन करने को लेकर आश्वस्त किया। रेलवे के सीनियर सेक्शन इंजीनियर बिंदु विकास व सीओ कुंदन कुमार ने बताया कि जमीन से संबंधित समस्या का समाधान कर लिया गया है। जल्द ही शेष बचे लोगो को मुआवजा भुगतान कर दिया जायेगा रेल लाइन निर्माण के लिए अधिगृहित जमीन निर्माण कंपनी को उपलब्ध करा दी गई है।कहा कि रेल लाइन निर्माण कार्य तेजी से चलाया जा रहा है। इस वर्ष हीं इस रेल लाइन का निर्माण पूरा कर लिया जायेगा।

'ऑन जॉब ट्रेनिंग' कर वापस लौटे मुंशी सिंह महाविद्यालय के इंडस्ट्रियल माइक्रोबायोलॉजी के विद्यार्थी

बीएनएम। मोतिहारी

मुंशी सिंह महाविद्यालय, मोतिहारी के इंडस्ट्रियल माइक्रोबायोलॉजी (IMB) विभाग के विद्यार्थियों का एक दल कोर्स समन्वयक डॉ. शफ़ीक़ुर रहमान और राजीव कुमार के संरक्षण में 'ऑन जॉब ट्रेनिंग' के लिए 10 फरवरी 2025 को एमिटी यूनिवर्सिटी, जयपुर के लिए रवाना हुई थी। जो बीते दिन 'ऑन जॉब ट्रेनिंग' करके वापस लौटी है। डॉ. शफ़ीक़ुर रहमान ने इस अवसर पर अपने अनुभव को साझा करते हुए कहा कि - 'यह अकादमिक यात्रा माइक्रोबायोलॉजी के विद्यार्थियों लिए मॉडर्न माइक्रोबायोलॉजी की नवीन तकनीकों को समझने और अनुभव करने की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण रहा। उन्होंने बताया कि एमिटी यूनिवर्सिटी, जयपुर के अकादमिक परिवेश में छात्रों को मास स्पेक्ट्रोस्कोपी, स्पेक्ट्रोफ्लोरोमीटर, प्रोटीन शुद्धिकरण तकनीक, डीएनए अलगाव की पद्धति, जेल वैद्युतकणसंचलन तकनीक, स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप आदि सम्बन्धी सिद्धांतों और प्रयोगों को समझने और देखने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि यह यात्रा एक अकादमिक उपलब्धि की तरह है।' इस अवसर पर मुंशी सिंह महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. मृगेंद्र कुमार ने डॉ. शफ़ीक़ुर रहमान को बधाई दी। विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ देते हुए उन्होंने इस तरह की अकादमिक यात्राओं को प्रोत्साहित करने की बात कही। उन्होंने कहा कि इस तरह की अकादमिक गतिविधियाँ और यात्राएं न केवल महाविद्यालय के शैक्षणिक परिवेश को उन्नत बनाती है बल्कि इससे महाविद्यालय की ख्याति भी बढ़ती है। यह जानकारी मुंशी सिंह महाविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ. गौरव भारती ने दी है।

आज मोतिहारी आ रहे हैं अखिलेश प्रसाद सिंह

बीएनएम। मोतिहारी

» कांग्रेस पार्टी को मजबूत करने एवं कार्यकर्ताओं के बीच एकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की जा रही है बैठक- इंजीनियर शशि भूषण राय

» आगामी चुनाव तथा सामाजिक मुद्दों पर की जाएगी चर्चा

प्रदेश अध्यक्ष बिहार कांग्रेस कमेटी अखिलेश प्रसाद सिंह आज शनिवार को दोपहर 2 बजे शहर के बंजरिया पंडाल स्थित जिला कांग्रेस कमिटी में आ रहे हैं। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष श्री सिंह गांधी आश्रम पूर्वी चंपारण जिला कांग्रेस कार्यालय का भ्रमण करेंगे और कांग्रेस कार्यकर्ताओं से मुलाकात करेंगे। पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर होगी। जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष ई. शशि भूषण राय उर्फ गप्पू राय ने इस संबंध में जानकारी देते हुए कहा कि इस कार्यक्रम में पार्टी के वरिष्ठ नेता, कार्यकर्ता और अन्य पदाधिकारी मौजूद रहेंगे। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य कांग्रेस पार्टी को मजबूत बनाना और कार्यकर्ताओं के बीच एकता को बढ़ावा देना है साथ ही पार्टी के आगामी चुनावों और सामाजिक मुद्दों पर भी चर्चा की जाएगी।

अज्ञात अपराधियो ने जमीन कारोबारी की गोली मार कर की हत्या

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के बंजरिया थानाक्षेत्र के पचरूखा गांव के समीप एनएच-28 पर पल्सर सवार अज्ञात अपराधियो ने एक जमीन कारोबारी की गोली मार कर हत्या कर दी। मृतक की पहचान मोतिहारी शहर के अगरवा निवासी कृष्णा सहनी के रूप में हुई है। बताया जा रहा है,कि घटना शुक्रवार करीब 7 बजे की है। उस वक्त मृतक कृष्णा सहनी हरसिद्धि से लौट रहा था।इसी दौरान पल्सर बाइक पर सवार दो अपराधियों के द्वारा गोली मार दी गई। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने आनन फानन में उसे अस्पताल पहुंचाया।जहां इलाज के क्रम में उसकी मौत हो गई।

घटना की सूचना पर एसपी स्वर्ण प्रभात ने एएसपी सदर के नेतृत्व में एसआईटी का गठन कर दिया है।इसके साथ ही सर्किल इंस्पेक्टर,बंजरिया थानाध्यक्ष व जिला आसूचना इकाई की टीम घटनास्थल पर पहुंचकर जांच में जुटे है।एसपी के अनुसार प्रथम दृष्टया पैसे के लेन देन को लेकर घटना कारित होने की बात सामने आ रही है।फिलहाल अपराधियो को पकड़ने के लिए एसआईटी ने छापामारी शुरू कर दिया है।

केसरिया महोत्सव में महात्मा बुद्ध के जीवन पर परिचर्चा

बीएनएम। मोतिहारी

केसरिया महोत्सव में शुक्रवार को महात्मा बुद्ध के जीवन पर परिचर्चा का आयोजन किया। इस अवसर पर मंचासीन पूर्व चिकित्सा पदाधिकारी सह प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ परमेश्वर ओझा ने बौद्ध धर्म की विशेषताएँ और बुद्ध के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जीवन के सार को तलाशने की महान शिक्षा से संबंधित बौद्ध धर्म की कुछ विशिष्ट विशेषताएं हैं। कार्यक्रम का मंच संचालन आदित्य मानस ने किया। परिचर्चा में बौद्ध धर्म की पवित्र पुस्तक को उद्धत करते जीवन मूल्यो और नैतिक शिक्षा के मार्गदर्शन को खूबसूरती से समझाया गया। कहा गया कि बौद्ध धर्म की कुछ महत्वपूर्ण विशेषता है,जो अन्य सभी धर्मों से विशेष बनाती है। बौद्ध धर्म आत्म-प्रयास और आत्म-साक्षात्कार के साथ आत्म-विकास पर जोर देता है।बौद्ध धर्म के अनुसार किसी भी व्यक्ति के द्धारा किये गये कार्य के लिए कोई अन्य इकाई जिम्मेदार नहीं है।शिक्षाओं में उल्लेख है कि बौद्ध धर्म मुक्ति और मोक्ष की मार्ग का मार्गदर्शन करता है, लेकिन अनुयायी को अपने प्रयास के साथ ही इस मार्ग पर चलने को कहता है। वहीं प्रोफेसर सुशील दूबे ने महात्मा बूद्ध की जीवनी अंगुलीमाल डाकू से संक्षिप्त में विवरण दिया। उन्होंने बताया कि बौद्ध धर्म की मुख्य विशेषता मन-बुद्धि को उन्नत करने के लिए दृढ़ता और धैर्य का मार्ग दिखाता है।बुद्धिज्म स्वयं और प्रकृति के अन्य तत्वों के प्रति दया का भाव रखने के साथ ही मूल एकाग्रता और अभिव्यक्ति के लिए मुक्ति के आधार को मजबूत करती है।उन्हे कहा कि ध्यान के मार्ग को आत्म-सुरक्षा और बेहतरी के नैतिक व्यवहार में शामिल किया जाना चाहिए।मुक्ति के मार्ग पर व्यक्ति को स्वयं चलना होगा और चुनौतियों का सामना करना होगा। कोई दूसरा व्यक्ति आपके लिए ऐसा नहीं कर सकता है।धर्म रीति-रिवाजों, शिक्षाओं और परंपराओं की एक जटिल प्रणाली है। किसी भी धर्म की शिक्षाएँ और मार्गदर्शन उन्हें आत्म-मूल्यांकन और सुधार के मार्ग पर ले जाते हैं। बौद्ध धर्म एक प्राचीन धर्म है जो अपनी प्रभावशाली शिक्षाओं और मार्गदर्शन के साथ दुनिया भर में फैला हुआ है। सिद्धार्थ गौतम द्वारा स्थापित, बौद्ध धर्म ने विश्वव्यापी महत्व प्राप्त करने के लिए कई चुनौतियों और बाधाओं का सामना किया है। शाश्वत मुक्ति प्राप्त करने के लिए ध्यान और आत्म-अन्वेषण का मार्ग बौद्ध धर्म की पवित्र पांडुलिपि में वर्णित है।मार्गदर्शन और शिक्षाओं का मुख्य अवलोकन यह है कि कोई व्यक्ति किसी विशिष्ट मार्ग का अनुसरण करने के लिए मार्गदर्शन कर सकता है,उन्हें मुक्ति प्राप्त करने के लिए अपने आत्मविश्वास और उद्देश्य पर चलना चाहिए।इस शरीर को मध्यम मार्ग के द्वारा संभाल कर रखे।

संक्षिप्त समाचार

कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष अलका लांबा का जिला अध्यक्ष नूरी बेगम ने किया स्वागत

बीएनएम। शिवहरः बिहार प्रदेश महिला कांग्रेस की राज्य कार्यकारिणी की बैठक में महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा शामिल हुई। शिवहर कांग्रेस जिला अध्यक्ष नूरी बेगम ने पटना सदाकत आश्रम में महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्षा अलका लांबा का भव्य स्वागत किया। कांग्रेस जिला अध्यक्ष नूरी बेगम ने बताया है कि 19 फरवरी से चार दिवसीय बिहार दौरे पर हैं कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष। कांग्रेस जिला अध्यक्ष नूरी बेगम ने बताया है कि उक्त कार्यक्रम में बिहार प्रदेश महिला कांग्रेस की अध्यक्ष सरवत जहां फातिमा सहित अन्य मौजूद रहे। उन्होंने कहा है कि आगामी बिहार विधान सभा चुनाव को देखते हुए बिहार प्रदेश महिला कांग्रेस की राज्य कार्यकारिणी की बैठक महत्वपूर्ण है। प्रदेश महिला कांग्रेस संगठन को मजबूती देने के लिए निर्णय लिए गए हैं। साथ ही प्रदेश महिला कांग्रेस द्वारा आगामी कार्यक्रम भी तय की जा रही है। गौरतलब हो कि शिवहर विधानसभा सीट को लेकर कांग्रेस जिला अध्यक्ष नूरी बेगम ने दावा ठोका है तथा कहां है कि शिवहर कांग्रेस के खाते में जाती है तो मैं आम जनता के आशीर्वाद से चुनाव जीत कर दिखाऊंगी।

बेलसंड विधानसभा का अर्पणा सिंह कहीं सियासी समीकरण ना बिगाड़ दे

बीएनएम। शिवहरः दिल्ली चुनाव के बाद बिहार में विधानसभा चुनाव 2025 तय माना जा रहा है, सभी राजनीतिक पार्टियां अपने अपने तरीके से, पैंतरा बाजी लगा दिया है। बेलसंड विधानसभा से भावी प्रत्याशी अर्पणा सिंह भी चुनाव प्रचार में जुट गई हैं। जिसकी सुब बुगाहट होने लगा है। राजनीतिक पंडितों की माने तो तरियानी छपरा मुखिया अर्पणा सिंह कही बेलसंड विधानसभा में सभी का सियासी समीकरण ना बिगाड़ दे। बीते रात बेलसंड विधानसभा चंदौली गांव निवासी धीरज सिंह जी की सुपुत्री की शादी में सम्मिलित होते हुए अर्पणा सिंह मुखिया तरियानी छपरा सह बेलसंड विधान सभा के भावी प्रत्याशी उपस्थित हो वर वधू को शुभकामनाएं एवं बधाई दी। है। इस मौके पर बेलसंड प्रमुख प्रतिनिधि सुधांशु शेखर, सहित सैकड़ो लोग उपस्थित रहे।

दो शराब कारोबारी एवं एक पियक्कड़ गिरफ्तार

बीएनएम। शिवहरः बिहार में शराबबंदी कानून लागू है जिसको सख्ती से पालन करने हेतु सरकार व पुलिस प्रशासन विभाग कोई भी कसर कानून लागू कराने में नही चुकता है,पूरी मुस्तादी से साथ शराबबंदी कानून लागू करने में आतुर है। इसी उद्देश्य से जिले के पिपराही थानांतर्गत आबकारी विभाग द्वारा करवाई करते हुए अम्बा गांव वार्ड नंबर 01 से रमेश सिंह पिता-स्व0 तेजनारायण सिंह को 01 बोतल, तथा चुनचुन पासवान पि0-स्व0 शंभू पासवान को 08 बोतल नेपाली देशी शराब के साथ तथा एक अन्य को शराब सेवन के आरोप में गिरफ्तार कर जेल भेजा गया।

दो शराब कारोबारी एवं एक पियक्कड़ गिरफ्तार

बीएनएम। शिवहरः बिहार में शराबबंदी कानून लागू है जिसको सख्ती से पालन करने हेतु सरकार व पुलिस प्रशासन विभाग कोई भी कसर कानून लागू कराने में नही चुकता है,पूरी मुस्तादी से साथ शराबबंदी कानून लागू करने में आतुर है। इसी उद्देश्य से जिले के पिपराही थानांतर्गत आबकारी विभाग द्वारा करवाई करते हुए अम्बा गांव वार्ड नंबर 01 से रमेश सिंह पिता-स्व0 तेजनारायण सिंह को 01 बोतल, तथा चुनचुन पासवान पि0-स्व0 शंभू पासवान को 08 बोतल नेपाली देशी शराब के साथ तथा एक अन्य को शराब सेवन के आरोप में गिरफ्तार कर जेल भेजा गया।

कौन घूमता है गली मोहल्ले में, इश्क अब डिजिटल हो गया है.....

हास्य कवि सम्मेलन में जमकर बजी तालियां

बीएनएम। केसरिया। अमृतेश कुमार ठाकुर

महोत्सव की दूसरी संध्या शुक्रवार को आयोजित हास्य कवि सम्मेलन में दर्शकों ने जमकर ठहाका लगाया। नामचीन कवियों के काव्यपाठ पर दर्शक दीर्घा तालियों की गड़गड़ाहट से गुंजयमान हो उठा। देश की जानी मानी कवियित्री डॉ तिष्या श्री ने सरस्वती वंदना माँ शारदे तेरी कृपा से गीत-कविता छंद है, तेरे बिना जग के सभी विद्वान भी मतिमन्द हैं...से कवि सम्मेलन की शुरुआत की। इसके बाद युवा कवि रोहित शर्मा ने तुमको मिल सकता है हमसे बेहतर, हमको मिल सकता है तुमसे बेहतर लेकिन तुम और गर मिल जाये तो कुछ और नहीं हो सकता बेहतर....की प्रस्तुति पर जमकर ताली बजी। उन्होंने कौन घूमता है गली मोहल्ले में इश्क अब डिजिटल हो गया है, कौन करता है बातें रूह की इश्क अब फिजिकल हो गया है की शानदार प्रस्तुति पर दर्शक दीर्घा झूम उठा। सुप्रसिद्ध हास्य कवि दिनेश बावरा ने कवि सम्मेलन का संचालन करते हुए चिरागों के सफर में दबदबा आंधियों का हो तो अंजाम जुल्मतों के सिवाय ..... सुनाया। कवि संजीव मुकेश ने हम केसरिया हैं मगध जनक दुलारी हैं हम बुद्ध महावीर गोविंद पर बलिहारी..... हम सब पर भारी भैया एक बिहारी हैं व पसीना बेच कर रोटी कमाता गाँव का लड़का काव्यपाठ किया। सुप्रसिद्ध हास्य कवि अरुण जैमिनी, युवा कवि नीलोत्पल मृणाल ने भी अपनी प्रस्तुति दी।

विभागीय स्टॉल पर उमड़ी लोगों की भीड़

बीएनएम। केसरिया

महोत्सव के दूसरे दिन शुक्रवार को कार्यक्रम परिसर में लगाये गये विभिन्न विभाग के स्टॉल पर लोगों की भीड़ रही।जिसमें आईसीडीएस, शिक्षा, स्वास्थ्य, जीविका, कृषि विभाग, ग्रामीण विकास विभाग, उद्योग विभाग, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाव, जिला निबधन एवं परामर्श केंद्र, सेन्ट्रल बैंक सहित करीब एक दर्जन विभागों का स्टॉल लगाया गया है। इस दौरान महोत्सव देखने आए लोगों को विभगीय योजनाओं व कार्यक्रम की जानकारी दी जा रही है। सबसे अधिक भीड़ स्वास्थ्य विभाग के स्टॉल पर देखी गई। जीएनएम सुरेंद्र सिंह जाट ने बताया कि दूसरे दिन शुक्रवार को करीब तीन सौ लोगों का इलाज कर आवश्यक दवा उपलब्ध कराई गई। वही जिला निबंधन एवं परामर्श केंद्र के स्टॉल पर मुख्यमंत्री स्वयं सहायता भत्ता योजना के तहत दो लाभुक यास्मीन खातून व याजमिन खातून एवं बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड के दो लाभुक श्वेता कुमारी व निधि कुमारी को डमी चेक प्रदान किया गया। मौके डीआरसीसी के सहायक प्रबंधक(परियोजना एवं लेखा) रत्नेश कुमार सिंह, सिंगल विंडो ऑपरेटर मनोज कुमार व मनीष कुमार सहित अन्य मौजूद थे। वही डाक कर्मी नीरज कुमार दत्त ने बताया की डाक विभाग के स्टॉल पर 0 से पाँच वर्ष के 20 बच्चों का अधार बनाया गया।

आज के दौर में हमें मानवीय मूल्यों को समझना होगा - प्रो सुशील

बीएनएम। केसरिया

महोत्सव के दूसरे दिन शुक्रवार को वर्तमान समय में बौद्ध धर्म की प्रासंगिकता विषय पर परिचर्चा आयोजित की गई। परिचर्चा में मुख्य वक्ता एनएनएम नालन्दा के दर्शनशास्त्र विभाग के एचओडी प्रो सुशील दूबे ने कहा कि त्याग वही कर सकता है जिसने कुछ अर्जित किया हो। केसरिया त्याग, बलिदान व चीर शांति का प्रतीक है। बौद्ध धर्म अपने नीति व सिद्धान्त के कारण विश्व के कई हिस्सों में एक शक्तिशाली धार्मिक व सांस्कृतिक शक्ति बनी हुई है। उन्होंने कहा कि आज के दौर में हमें मानवीय मूल्यों को समझना होगा।भगवान बुद्ध के बताए मार्ग पर चलकर मानवता की सेवा करें। वहीं डॉ परमेश्वर ओझा ने कहा कि बौद्ध धर्म अत्यंत निर्मल, निष्कलंक, वैज्ञानिक व फलदायी है। परिचर्चा का संचालन करते हुए आदित्य मानस ने कहा कि भगवान बुद्ध के उपदेश सभी के लिए हितकारी है। वैश्विक स्तर पर पनप रहे भ्रष्टाचार, ईष्या-द्वेष, आतंकवाद आदि को समाप्त कर एक मंगलकारी समाज बनाने के उद्देश्य से बुद्ध के उपदेश आज भी प्रासंगिक है।

प्रतियोगिता में सफल प्रतिभागियों को किया गया सम्मानित

बीएनएम। केसरिया

महोत्सव के दूसरे दिन वाद विवाद प्रतियोगिता, चित्रकला, क्विज एवं नृत्य का आयोजन किया गया। जिसमें जिला के विभिन्न विद्यालयों से आए छात्र/ छात्राओं ने भाग लिया। वही सफल प्रतिभागियों को विधायक शालिनी मिश्रा, एसडीओ शिवानी शुभम व डीपीओ नित्यम कुमार गौरव के द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं मेडल देकर सम्मानित किया गया। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान यूएमएस पुरैना की छात्रा सोनम कुमारी रही। दूसरे स्थान पर यूएचएस राजेपुर एवं तीसरे स्थान पर तिरहुत उच्च विद्यालय मेहसी के विद्यार्थी रहे। वही क्विज प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर मध्य विद्यालय चकिया के छात्र राजा बाबू, दूसरे स्थान पर यूएचएस झखरा की छात्रा रिमझिम कुमारी व तीसरे स्थान पर शहीद भगत सिंह उच्च विद्यालय की छात्रा खुशी कुमारी रही। रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम स्थान यूएचएस सुन्दरापुर, मध्य विद्यालय सुन्दरापुर और तीसरे स्थान पर आईसीडीएस रहा। मंच संचालन आदित्य मानस ने किया। मौके पर बीडीओ मनीष कुमार सिंह, एडीएसओ चकिया सुनील कुमार, केसरिया एमओ खुशबू कुमारी, बीईओ विनय कुमार तिवारी सहित अन्य मौजूद थे।

नई झुलनी के छइयां बलम दुपहरिया.....

बीएनएम। केसरिया

महोत्सव के दूसरे दिन शनिवार को स्थानीय व कई रियलिटी शो में परफॉर्म कर चुके कलाकारों को मौका दिया गया। जहाँ कलाकारों ने केसरिया महोत्सव के मंच से गीत व नृत्य की बेहतरीन प्रस्तुति दी। कई रियलिटी शो से गायकी में अपनी पहचान बना चुकी अनुप्रिया ने खाई के मगहिया पान राजा हमरो जान लेबअ का, नई झुलनी के छइयां बलम दुपहरिया बिताईल हो.....सहित अन्य गीत की पेश किया। सांस्कृतिक व सामाजिक संस्था विविध कला विकास समिति नयागाँव पानशाला से जुड़े कलाकारों ने नृत्य की प्रस्तुति दी। समिति की कलाकार प्रिया कुमारी ने लोकगीत पर आधारित नृत्य प्रस्तुत किया। वहीं सूरज कुमार, रिजवाना खातुन, सुफैदा खातुन, मुस्कान कुमारी व सपना कुमारी के द्वारा असम की प्रसिद्ध बिहू नृत्य की बेहतरीन प्रस्तुति दी गई। संस्था के अध्यक्ष आलम महम्मद व निर्देशक रंजन कुमार की देखरेख में कलाकरों ने प्रस्तुति दी। वहीं भोजपुरी गायक विनोद बेबर्दी ने अपनी गीत के माध्यम से शमा बांध दिया। सूफी गायक की प्रस्तुति लाजवाब रही।

तुरकौलिया का कुख्यात शराब धंधेबाज सहित दो धराया

» पकड़े गए शराब धंधेबाज पर था 10 हजार का इनाम

बीएनएम। तुरकौलिया

एसपी स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर पुलिस ने जयसिंहपुर पंचायत के चीवटही गागलवा टोला गांव में छापेमारी की। जहां से कुख्यात शराब धंधेबाज को पकड़ा है। पकड़ा गया धंधेबाज हीरामन यादव का पुत्र संजीव यादव है। उक्त छापेमारी एएसपी शिवम धाकड़ के नेतृत्व में हुई। छापेमारी दल में थानाध्यक्ष सुनील कुमार, अपर थानाध्यक्ष मंदन कुमार, दारोगा रामप्रवेश सिंह सहित पुलिस बल के जवान शामिल थे। पकड़ा गया धंधेबाज का कारोबार अंतरप्रांतीय शराब कारोबारियों से जुड़ा हुआ है। उसके खिलाफ तुरकौलिया , पूर्णिया सहित अन्य थाना में करीब डेढ़ दर्जन मामले दर्ज है। जिसमें अधिकाश शराब कारोबार से जुड़ा है। बताया जाता है कि धंधेबाज संजीव पश्चिम बंगाल से ट्रक से शराब मंगाकर इलाके में सप्लाई करने का काम करता था। थानाध्यक्ष सुनील ने बताया कि नवंबर 2021 में संजीव अपने सहयोगियों के साथ ट्रक से भारी मात्रा में पश्चिम बंगाल से अंग्रेजी शराब मांगा रहा था। जो ट्रक 16 नवंबर 2021 को बंगाल व बिहार के बोर्डर दालखोला चेकपोस्ट पर पकड़ा गया था। ट्रक में नीचे शराब की कार्टून थी, ऊपर भूसा लदा हुआ था। जहां पूर्णिया के बयासी थाना में उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज हुआ था। तुरकौलिया थाना में 13 मामले उसके खिलाफ दर्ज है। पकड़ा गया धंधेबाज पर 10 हजार का इनाम भी है। उन्होंने बताया कि जयसिंहपुर से एक अन्य धंधेबाज अजित पटेल उर्फ मिठाई पकड़ा गया है। जो छह साल से फरार था। उन्होंने बताया कि दोनों धंधेबाज को न्यायिक हिरासत में भेजा गया है।

डीआईजी ने मुफ्फसिल थानेदार को किया निलंबित

बीएनएम। मोतिहारी

चंपारण प्रक्षेत्र के डीआईजी हरिकिशोर राय ने मोतिहारी के मुफ़्फसिल थानेदार को निलंबित कर दिया है।उक्त कारवाई हत्या ,लूट व डकैती के विभिन्न मामलों में लापरवाही व पॉकेट डिस्पोज़ल करने पर की गयी है।डीआईजी के इस कार्रवाई के बाद पुलिस विभाग में हड़कंप व्याप्त है। पिछले दिनो सदर डीएसपी 2 के कार्यालय निरीक्षण के दौरान डीआईजी ने मुफ़्फसिल थानेदार की बड़ी लापरवाही पकड़ी थी।डीआईजी ने जब्त सामानों को नष्ट करने की झूठी रिपोर्ट को भी पकड़ा था। पुलिस विभाग में इसे पैकेट डिस्पोजल कहा जाता है, जिसे डीआईजी ने गंभीर मानते हुए थानेदार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। बता दे कि इसके पूर्व डीआईजी ने एक कांड में बिना स्थलीय जांच किए 2 लोगो का साक्ष्य रहने के बाद भी नाम निकाल देने का मामला पकड़ते हुए मुफ़्फसिल सर्किल इंस्पेक्टर को निलंबित किया था।फिलहाल डीआईजी के सख्त कार्रवाई से पूरे पुलिस महकमे में हड़कंप व्याप्त है।

सशस्त्र सीमा बल द्वारा निशुल्क मानव चिकित्सा शिविर का किया गया आयोजन

बीएनएम। बगहा

शुक्रवार को 65 वाहिनी, सशस्त्र सीमा बल, बेतिया, शिविर बगहा द्वारा कमांडेंट नंदन सिंह मेहरा के मार्गदर्शन में कैलाशनगर वार्ड न.– 06, बगहा में आमजन के लिए निःशुल्क मानव चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया । वाहिनी चिकित्सा अधिकारी - डॉ. नवनीत कौर, सहायक कमांडेंट (चिकित्सा अधिकारी) 65 वाहिनी, स.सी.बल, बेतिया ने स्थानीय नागरिकों की स्वास्थ्य जांच कर निःशुल्क दवा वितरण किया। कार्यक्रम की पूर्व सूचना वाहिनी द्वारा संबंधित ग्राम-जनप्रतिनिधियों को दी गई थी जिससे ज्यादा से ज्यादा लोग इस कार्यक्रम से लाभान्वित हो सकें। इस कार्यक्रम में कमांडेंट ने स्थानीय नागरिकों को बदलते मौसम में स्वयं को बिमारियों से सुरक्षित रखने के हेतु बेहतर खानपान एवं स्वच्छता के नियमों का पालन करने हेतु जागरूक किया एवं आवश्यकता पड़ने पर 65 वाहिनी में उपलब्ध चिकित्सा अधिकारी द्वारा अपनी स्वास्थ्य जांच कराने हेतु प्रोत्साहित किया। स्थानीय नागरिकों ने इस प्रकार के कार्यक्रम का आयोजन भविष्य में भी नियमित रूप से करते रहने का निवेदन किया जिससे गरीब नागरिकों के स्वास्थ्य जांच तथा दवा की जरूरतों को पूरा किया जा सके । इस कार्यक्रम मे 500 से ज्यादा मरीजों की निःशुल्क स्वास्थ्य जांच कर दवा वितरण किया गया इस कार्यक्रम के दौरान चिकित्सा अधिकारी द्वारा नागरिकों को नशा मुक्त भारत अभियान तथा नशीली दवाओं के दुरुपयोग के संबंध मे और "बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ" तथा युवतियों को केंद्रीय पुलिस बल मे भर्ती होने के लिए लोगों को जागरूक किया। इस कार्यक्रम मे नंदन सिंह मेहरा कमांडेंट, आर. बी. सिंह उप कमांडेंट, डॉ नवनीत कौर सहायक कमांडेंट (चिकित्सा), राजन कुमार गुप्ता वार्ड पार्षद वार्ड संख्या -06 कैलाशनगर, 65 वाहिनी की चिकित्सा टीम तथा जवान हुए सम्मिलित

केसरिया की धरती ऐतिहासिक - सुनील

दीप प्रज्वलन के साथ महोत्सव के दूसरे दिन के कार्यक्रम की शुरुआत

बीएनएम। केसरिया

महोत्सव के दूसरे दिन शुक्रवार के सत्र का उद्घाटन वाल्मीकिनगर के सांसद सुनील कुमार, केसरिया विधायक शालिनी मिश्रा, डीडीसी शम्भूशरण पांडेय, चकिया एसडीओ शिवानी शुभम व केसरिया नपं की मुख्य पार्षद किरण कुमारी ने संयुक्त रूप से द्वीप प्रज्वलित कर किया। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए सांसद ने कहा कि केसरिया की धरती ऐतिहासिक धरती है। यहाँ का सौभाग्य है कि भगवान बुद्ध अपनी यात्रा के दौरान केसरिया आए थे। सांसद ने कहा कि इस महोत्सव के माध्यम से क्षेत्र के पुरातत्व और संस्कृति का विकास संभव है। वहीं विधायक शालिनी मिश्र ने कहा कि महोत्सव से क्षेत्र के विकास की कड़ी जुड़ी है। इस मंच के माध्यम से केसरिया के विकास के लिए पूर्व में कई घोषणाएं हुई है। जिसको कार्यरूप देकर विकसित केसरिया बनाया जा रहा है। उद्घाटन के बाद आगत अतिथियों को मोमेंटों व अंगवस्त्र देकर स्वागत किया गया। दूसरे दिन के कार्यक्रम का मंच संचालन आदित्य मानस ने किया।

कांग्रेस संगठन में बदलाव

देश की सबसे पुरानी पार्टी में ताजा बदलाव हवा के ताजा झोंके की तरह है। कांग्रेस ने अपने संगठनात्मक बदलाव शुरू कर दिए हैं। 3 दिन पहले पार्टी ने 2 राज्यों के महासचिव और 9 के लिए प्रभारियों नियुक्त की है। खास बात है कि इस फैसले पर राहुल गांधी की छाप खास नजर आ रही है। बानगी के तौर पर युवाओं को मौका देने के साथ ही ओबीसी और अल्पसंख्यक समाज के नेताओं को भी तरजीह दी गई है। दरअसल, कांग्रेस फिलवक्त अपने सबसे चुनौतीपूर्ण और मुश्किल दौर में है। जब से पार्टी ने केंद्र की सत्ता गंवाई है उसके बाद से ही उसे खुद को साबित करने के लिए जूझना पड़ रहा है। कई अजीज और पार्टी की वर्षों से खिदमत करने वाले निष्ठुरता के साथ 'हाथ' को झटकते हुए धुर विरोधी सोच वाली पार्टी के खेवनहार बन गए। गौर करने वाली यह है कि किसी भी पार्टी के लिए सत्ता गंवाना उतना कष्टप्रद नहीं रहता जितना वफादार कार्यकर्ताओं का साथ छोड़ जाना। बहरहाल, कांग्रेस ने अनुभवी और परखे हुए नेताओं को जिम्मेदारी देने के साथ-साथ युवा चेहरों को खास तवज्जो दी है। साथ ही राहुल गांधी ने सामाजिक न्याय के एजेंडे को धार देने के लिए कांग्रेस के संगठन में भी सामाजिक न्याय की कवायद शुरू कर दी है। राहुल 2024 में संपन्न लोक सभा चुनाव के समय से ही सामाजिक न्याय की वकालत और इसे धार देने की कोशिश में जी-जान से जुड़े दिखते हैं। खासकर जाति जनगणना की मांग और पिछड़ों व दलितों की हिस्सेदारी को लेकर वो काफी मुखर रहे हैं। संगठन में बदलाव भी उनकी इसी सोच को परिलक्षित करता दिखता है। पार्टी संगठन में जिन 11 लोगों की नियुक्त हुई है, उसमें चार ओबीसी, दो दलित, एक आदिवासी और एक अल्पसंख्यक समाज से हैं, तीन सवर्ण वर्ग से हैं, जिनमें रजनी पाटिल, मीनाक्षी नटराजन और कृष्ण अल्लावरु हैं। साफ है कि राहुल अपनी सामाजिक न्याय की लड़ाई को विस्तार देने की जुगत में संजीदगी से लगे हैं। यह सब इस मायने में सही माना जाएगा कि नेता जो कहता है, उसे करता भी है। अभी तक कांग्रेस की राजनीति सवर्ण, दलित और अल्पसंख्यक समाज पर केंद्रित थी, जिसे भाजपा ने बेहद सफाई से अपने पाले में कर दिया।

भाषा हमारे अस्तित्व का साधन भी है और साध्य भी

मातृभाषा दिवस (21 फ़रवरी) पर विशेष

गिरीश्वर मिश्र

भाषाई और सांस्कृतिक विविधता के अंतरराष्ट्रीय उत्सव के रूप में इस बार का मातृभाषा-दिवस यूनेस्को के आयोजन का रजत जयंती वर्ष है। इसके पीछे टिकाऊ समाज के निर्माण के लिए विभिन्न भाषाओं के संरक्षण, सहनशीलता और पारस्परिक आदर का संकल्प लिया गया है। अपनी और दूसरों की भाषा को समझना अपनी और दूसरों की संस्कृति को जानने-समझने का मुख्य माध्यम है। भाषा न रहे तो हम अपनी संस्कृति को अगली पीढ़ी तक ठीक से पहुँचाने में चूक जाएँगे। ऐसे में आज विश्व में प्रचलित विभिन्न भाषाओं को सुरक्षित और संवर्धित करना हमारा विशेष दायित्व है। आशा की जाती है कि मातृभाषाओं का समादर समावेशिकता को बढ़ाएगा। एक विरल नैसर्गिक शक्ति के रूप में भाषा हमें न केवल ज्ञान-सृजन का अवसर देतीहै बल्कि उस ज्ञान को संजोने और दूसरोंसे साझा करना भी संभव बनाती है। प्रकृति भी इसे समर्थन देती है। जन्म के समय से ही हर सामान्य बच्चा भाषा अर्जित करने के उपकरण से सज्जित रहता है। नवजात की श्रवण शक्ति अद्भुत होती है। वह स्वाभाविक ध्वनि और शोर में फ़र्क़ करने लगता है। छह माह होने के पहले ही वे कई भाषाएँ सुनते और समझते रहते हैं। तीन वर्ष की आयु में उनका तीन-चार भाषाओं से परिचय स्वाभाविक रूप से होता है। दस वर्ष तक यह प्रक्रिया काफ़ी तेजी से चलती है। भारत के बच्चे स्वाभाविक रूप से बहुभाषिक परिवेश में जन्म लेते हैं और उनकी परवरिश होती है। सांस्कृतिक स्तर पर भाषा-विकास हमारे लिए अद्भुत अवसर बन जाता है। उसी के सहारे ही हम व्यवहार करते हैं, सोचते हैं, कल्पना करते हैं और उस कल्पना को मूर्त आकार भी देते हैं। लिखित रूप में आने के पहले सभी भाषाएँ वाचिक रूप में ही प्रयुक्त होती थीं । भारत में पीढ़ी-दर-पीढ़ी चले आ रहे इस जीवन-दर्शन का एक बड़ा हिस्सा मौखिक रूप से प्राप्त होता रहा है। वेद 'श्रुति' के नाम से विख्यात हैं। अनुमानतः 2300 ईसा पूर्व लिखित रूप में उन्हें प्रस्तुत किया गया। बाद में, विभिन्न भाषाई और सांस्कृतिक विकास ने भाषा, संस्कृति और कलात्मक रूपों के मामले में इस क्षेत्र को अनोखी रंगत दी। इस प्रकार विभिन्न समूहों के बीच संपर्क और उनके भाषाई और सांस्कृतिक आवाजाही ने इस क्षेत्र में बहुभाषिकता के ख़ास पैटर्न को जन्म दिया। इस स्थिति ने भाषाओं में एकता आई तथा जिसने सामाजिक जीवन के सभी क्षेत्रों को एक सूत्र में पिरोया। एकता में इस विविधता ने भारतीय सांस्कृतिक जीवन को इंद्रधनुषी रूप दिया जिसमें एक ख़ास क़िस्म का समग्रता बोध है। भारतीय भाषाओं में दृष्टिगत समानता हजारों वर्षों के सघन सांस्कृतिक संपर्क के कारण आई। धर्म, दर्शन, संगीत, भोजन, आदि सब में यह स्पष्ट रूप से अभिव्यक्त होती है। भारत सदियों से एक बहुभाषी देश के रूप में आगे बढ़ा है। यहाँ समाज का हर वर्ग, हर क्षेत्र, भाषा, कला-रूप और शैलियाँ, एक बहुरूपदर्शी (कैलिडोस्कोप) के टुकड़ों जैसे हैं। यह अनगिनत धागों की एक जटिल बुनाई की याद दिलाती है जिनमें से हर धागा जीवन के आध्यात्मिक, सामाजिक, आर्थिक या राजनीतिक पहलुओं का प्रतिनिधित्व करता है। परंपराओं और आधुनिक विकास ने भी इसकी बहुमुखी एकता में निरंतर योगदान दिया है। इसका जीता जागता ताज़ा प्रमाण देश के सभी भागों से आए स्नानार्थियों ने संगम तट पर दिया है। महाकुंभ के अवसर पर प्रयाग में त्रिवेणी संगम पर जुटे कोटि-कोटि भारतीयों को देख कर उनकी अंतरंग सांस्कृतिक एकता और ऊपर की विविधवर्णी छवि के बीच अनोखे सामंजस्य का भाव मूर्त हो उठा। इससे यह सच प्रकट हुआ कि भारतीय समाज हमारे सामने सांस्कृतिक, सामाजिक, भाषाई और धार्मिक प्रथाओं का एक समग्र दृश्य रचता है। आज भारत में लगभग आठ सौ भाषाएँ दर्ज हैं। बहुतेरे भारतीय कई भाषाएँ बोलते हैं। यह बहुभाषिकता विभिन्न भाषाई समुदायों के बीच न केवल संचार को प्रभावी बनाती है बल्कि साझा पहचान को सबल करती है। बावजूद इसके कि विभिन्न भाषाएँ अलग-अलग लिपियों का उपयोग करती हैं, इनमें से कई लिपियाँ एक ही मूल की हैं, जैसे ब्राह्मी लिपि। यह साझा भाषाई विरासत, धार्मिक और सांस्कृतिक ग्रंथों में संस्कृत भाषा और साहित्य के व्यापक उपयोग के साथ-साथ भारतीय भाषाई क्षेत्र में गहन निरंतरता विकसित करने में योगदान करती है। साझा विषय, पारस्परिक प्रभाव और समान ऐतिहासिक अनुभव इन विविध साहित्यिक परंपराओं को एक साथ बांधते हैं। तमिल–काशी संगम जैसा मेल-मिलाप संवाद के द्वारा भारतीय साहित्य एकता में विविधता की अवधारणा का प्रबल उदाहरण प्रस्तुत करता है। भाषाओं की बहुलता समृद्धि का स्रोत है जो हज़ारों वर्षों के प्रवास, परस्पर क्रिया और विभिन्न समूहों के बीच एकीकरण से पली- बढ़ी है। भाषिक विविधता की दृष्टि से भारत आज विश्व में दूसरे नम्बर पर है। भारत के संविधान की वर्तमान व्यवस्था में 22 मुख्य भाषाएँ तथा 6 क्लासिकल भाषाएँ (तमिल, संस्कृत, कन्नड़, तेलुगु, मलयालम और ओडिया) सम्मिलित हैं। देवनागरी में लिखी जाने वाली हिंदी आधिकारिक रूप से राजभाषा है हालाँकि इसके भी लगभग पचास रूप हैं। संविधान में यह विशेष प्रावधान है कि अल्पसंख्यक समुदाय अपनी भाषा, लिपि और संस्कृति को सुरक्षित रख सकेंगे।

इन सबके बीच हमें यह भी स्मरण करना होगा कि मातृभाषा अस्मिता और संस्कृति को गढ़ने का कार्य करती है। इसी दृष्टि से नई शिक्षा नीति में बहुभाषिकता, लुप्तप्राय भाषाओं का संरक्षण और स्थानीय भाषा में समावेशी शिक्षा जैसे सरोकारों पर ख़ास ज़ोर दिया जा रहा है। औपनिवेशिक विरासत के तहत अंग्रेज़ी के वर्चस्व का सामाजिक जीवन पर विभाजनकारी असर रहा है। साथ ही इसने भाषाई हीनता को भी जन्म दिया। हिंदी या अन्य भारतीय भाषा जब घर की भाषा हो तब शिक्षा में अंग्रेज़ी माध्यम कई जटिलताएँ पैदा करता है। मौलिक सोच और सर्जनात्मकता में ऐसे विद्यार्थी पिछड़ जाते हैं। शोध और अनुसंधान की दृष्टि से यह परोपजीवी भाषाई संस्कार घातक सिद्ध हो रहा है। आज भाषा की दुनिया में हो रही क्रांति में कृत्रिम बुद्धि एक महत्वपूर्ण घटक साबित हो रहा है। पिछले कुछ वर्षों में वैश्वीकरण तथा कृत्रिम बुद्धि की बढ़त से सभ्यताओं के अस्तित्व की चुनौती उभर रही हैं। भविष्य का नज़रिया कुछ ऐसा होने जा रहा है लोग विभिन्न गैजेट की सहायता से वह सब कुछ देखेंगे, सुनेंगे और बात करेंगे जो वैश्विक केंद्र द्वारा मुहैया कराया जाएगा। कुछ सलाह की ज़रूरत हुई तो बच्चे अब माता-पिता की जगह एलेक्सा या सीरी से पूछेंगे। उनकी माँ भी रोबोट से पूछेगी। भाषा और संचार की प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में माइक्रोसाफ्ट और गूगल जैसे कई दिग्गज किरदार दुनिया की विविधता को मिटाते जा रहे हैं। इस तरह की पहल के चलते बच्चे की सर्जनात्मक क्षमता, अध्यापकों की श्रेष्ठता आदि सब दांव पर है। इस मनुष्यताविहीन तकनीक में कोई सामान्य बुद्धि या कॉमनसेंस नहीं होता। उसे मानवीय भावनाओं की भी कोई समझ नहीं होती न ग़लतियों को सुधारने की गुंजाइश होती है। वस्तुतः उसमें कोई अपवाद संभव ही नहीं होता। मनुष्य की तरह यह सचेतन और संवेदनशील भी नहीं है। इस तकनीक को बहुलता की कोई समझ भी नहीं होती। साथ ही उसमें घटनाओं और परिस्थितियों के संदर्भ को ग्रहण करने सुविधा नहीं होती। वस्तुतः कृत्रिम बुद्धि मानव सभ्यता की अगली गुत्थी बन रही है। यह भरोसा किया जा रहा है कि सारा का सारा ज्ञान मानव मस्तिष्क के बाहर डाटा के रूप में भंडारित किया जा सकता है। ऐसे में प्रश्न उठेगा कि मनुष्य की ज़रूरत ही क्या है? मनुष्य को विस्थापित कर जीवन का अर्थ पाना असंभव है। ग़नीमत है मानव मस्तिष्क स्वयं को खुद संचालित और नियमित करता है। इस तकनीक को धारण करने वाले मनुष्य को मनुष्य बना रहना होगा और ऐसा करने में भाषा-साहित्य की इसमें अहम भूमिका होगी। नई शिक्षा नीति ने बहुभाषिकता की ओर ध्यान दिया है और आधारभूत भाषा तथा गणित के कौशल के विकास पर आरंभिक वर्षों में ख़ासतौर पर ज़ोर दिया जा रहा है। एक दुविधा की स्थिति यह ज़रूर है कि ऑनलाइन/डिजिटल और इंटरनेट का कितना और कब उपयोग हो। आठ वर्ष की आयु के नीचे के बच्चों के लिए इंटरनेट की सहायता से शिक्षा में हस्तक्षेप ठीक नहीं प्रतीत होती है। बच्चे तो नैसर्गिक रूप से भाषाविद् होते हैं। वे अपनी मातृभाषा और क्षेत्रीय भाषाओं की तरह कई भाषाएँ सरलता से आत्मसात् कर सकते हैं, अगर उनको बिना किसी दबाव के आसानी से सीखने का अवसर मिले। साथ ही भाषा सिर्फ़ विचारों को प्रकट करने का तरीक़ा भर नहीं होती है। वह संस्कृति का संवहन करती है। बच्चे की मातृभाषा और क्षेत्रीय भाषाएँ स्थानीय अर्थ व्यवस्था का आधार होती हैं। अतः स्कूली व्यवस्था को भाषाओं और संस्कृतियों के संरक्षण में विकसित किया जाना चाहिए। इक्कीसवीं सदी के भारत में बहु भाषिकता एक विशिष्टता है। बहुभाषिक शिक्षा अल्पसंख्यक वर्गों और आदिवासियों के लिए ख़ासतौर पर लाभप्रद होगी।

सूडोकु नवताल- 7349

★★★✯☆ मध्यम

7	4	6		1		8		2
	5		8		7			
9				6				
	6		7	9		5		3
5				4				1
3		1		8	2		7	
				5				6
			4		3		9	
4		3		2		1	5	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7348 का हल

8	7	9	4	2	5	6	1	3
5	6	3	8	1	7	4	2	9
4	1	2	6	9	3	5	8	7
1	9	8	3	7	4	2	6	5
7	3	4	2	5	6	8	9	1
2	5	6	1	8	9	7	3	4
9	8	5	7	3	2	1	4	6
6	2	7	9	4	1	3	5	8
3	4	1	5	6	8	9	7	2

काशी तमिल संगमम संस्कृतियों के अभूतपूर्व संगम

नितिन प्रधान

देश दुनिया में अभी प्रयागराज में संगम तट पर चल रहे महाकुंभ को लेकर भारतीय संस्कृति की चर्चा हो रही है। तीन नदियों के संगम में करोड़ों सनातनी आस्था की डुबकी लगा चुके हैं। यह क्रम जारी है। 26 फरवरी को महाशिवरात्रि के दिन तक यह सिलसिला देखने को मिलेगा। इसी बीच काशी में गंगा तट पर काशी तमिल संगमम 3.0 चल रहा है। अपने तीसरे संस्करण में यह 24 फरवरी तक सनातनियों के लिए आत्मीय संबंध को नया आयाम देगा। काशी के पवित्र घाटों पर आयोजित काशी तमिल संगमम 3.0 वास्तव में गंगा और गोदावरी के मिलन जैसा अनुभव कराता है। गंगा घाटों पर जब तमिलनाडु और दक्षिण भारत के श्रद्धालु पहुंचते हैं तो यह केवल यात्रा नहीं, बल्कि संस्कृतियों के अभूतपूर्व संगम का उत्सव बन जाता है। काशी तमिल संगमम 3.0 इस भावनात्मक और सांस्कृतिक एकता का सजीव उदाहरण है, जहां दक्षिण और उत्तर भारत की परंपराएं एक-दूसरे में समाहित होती नजर आती हैं। भारत की दो प्राचीन और समृद्ध सभ्यताओं का आत्मीय संगम है। गंगा के किनारे लोग एक-दूसरे को 'वणक्कम काशी' कहकर संबोधित करते हैं, तो यह अनूठा और भावनात्मक अनुभव बन जाता है। काशी तमिल संगमम 3.0 न केवल उत्तर और दक्षिण भारत के बीच संस्कृति सेतु का कार्य कर रहा है बल्कि यह 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत की अवधारणा को भी साकार कर रहा है। यह संगमम 3.0 भारतीय परंपराओं, संस्कृतियों और जीवन मूल्यों का उत्सव है, जो विविधताओं के बीच राष्ट्रवाद की भावना को और प्रबल करता है। यह उत्तर और दक्षिण भारत के बीच सांस्कृतिक सेतु के रूप में कार्य कर रहा है। जब तमिलनाडु से यात्री वाराणसी रेलवे स्टेशन पर उतरते हैं, तो उनका स्वागत 'हर हर महादेव के जयघोष से किया जाता है। ढोल-नगाड़ों की थाप, स्वस्तिवाचन और पुष्पवर्षा से हर यात्री स्वयं को विशिष्ट अनुभव करता है। कांचीपुरम, जिसे संक्षेप में कांची कहा जाता है, तमिलनाडु का महत्त्वपूर्ण धार्मिक और सांस्कृतिक केंद्र है। यह क्षेत्र हिन्दू धर्म के प्राचीन तीर्थ स्थलों में से है, यहां कई ऐतिहासिक मंदिर स्थित हैं। कांची पलार नदी के किनारे बसी है, न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण है बल्कि अपनी रेशमी साड़ियों के लिए भी प्रसिद्ध है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, ब्रह्मा ने यहां देवी के दर्शन हेतु तपस्या की थी। कांची को मोक्षदायिनी सप्त पुरियों में स्थान प्राप्त है, जिनमें अयोध्या, मथुरा, द्वारका, हरिद्वार, काशी, उज्जैन और कांची शामिल हैं। यह नगरी हरिहरात्मक पुरी के रूप में प्रसिद्ध है, जहां शिवकांची और विष्णुकांची नामक दो भागों में विभिन्न मंदिर स्थित हैं। तमिलनाडु के लोग के लिए काशी केवल तीर्थ नहीं, बल्कि आध्यात्मिक आकषर्ण का केंद्र है। भगवान विनाथ, मां गंगा और देवी विशालाक्षी सदियों से तमिल भक्तों को अपनी ओर आकर्षित करती रही हैं। आदि शंकराचार्य के काशी आगमन और उनके द्वारा अद्वैत वेदांत के प्रचार के बाद, तमिल संतों का काशी से लगाव और गहरा हो गया। काशी केवल शहर नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक चेतना का केंद्र है। बाबा विनाथ, काल भैरव, मां अन्नपूर्णा, देवी विशालाक्षी, आंध्र के मल्लिकार्जुन और तेलंगाना के भगवान राजराजेर जैसे तीर्थस्थल भारत की सांस्कृतिक पहचान को परिपूर्ण बनाते हैं। इस पवित्र नगरी ने अनेक संतों और महात्माओं को आध्यात्मिक ऊर्जा प्रदान की है, जिसका प्रभाव आज भी तमिल समाज में देखा जा सकता है। काशी का तेलुगु संस्कृति से भी गहरा नाता है। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना से हर वर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालु काशी आते हैं। तेलुगु संतों और आचार्यों ने भी इस नगरी को विशेष रूप से गौरवान्वित किया है। तेलुगु संत तेलंगस्वामी, जिनका जन्म विजयनगरम में हुआ था, को स्वामी विवेकानंद के गुरु रामकृष्ण परमहंस ने काशी का 'जीवंत शिव कहा था। इसके अलावा, जिद्दू कृष्णमूर्ति और अन्य महान संतों को आज भी श्रद्धा के साथ याद किया जाता है। काशी और तेलुगु संस्कृति का संबंध साहित्य और आध्यात्मिक परंपराओं में भी स्पष्ट रूप से झलकता है। आंध्र प्रदेश के वेमुलावाड़ा तीर्थ को 'दक्षिण का काशी कहा जाता है, यहां की मंदिर परंपराओं में 'काशी दारम (विशेष काला सूत्र) का प्रचलन आज भी है। इसी प्रकार, तेलुगु साहित्य में 'काशीखंडम जैसे ग्रंथ काशी की महिमा का बखान करते हैं। समय के साथ काशी में भी व्यापक बदलाव हुए हैं। बाबा विनाथ धाम का पुनरुद्धार, गंगा घाटों का नवीनीकरण और बेहतर परिवहन सुविधाओं ने काशी यात्रा को और सुगम बना दिया है। पहले जहां दशामेध घाट तक पहुंचने में घंटों लगते थे, वहीं अब हाईवे और नई परिवहन व्यवस्थाओं से यह समय काफी कम हो गया है। गंगा में सीएनजी चालित नावें चलाई जा रही हैं।

आज का राशिफल

मेष राशि : आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। दोपहर तक आपको कोई अच्छी खबर मिल सकती है। विरोधी आज आपके बारे मे अफवाहें फ़ैलाने के लिए तैयार बैठे हैं ऐसा कोई मौका ही न दें। आपकी प्रतिभा मान-सम्मान बढ़ाने में कारगर साबित हो सकती है। आपको कुछ ऐसे काम दिए जायेंगे, जिन्हें आप आसानी से पूरा कर लेंगे।

वृष राशि : आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आज पूरा दिन माता-पिता के साथ बितेगा। जिन सीमित विचारों की वजह से आप विचार के दायरे से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं, आज उन्हें तोड़कर जीवन में बदलाव लाने में सफल होंगे। आज सरकारी काम या कोर्ट संबंधित कामों को आगे बढ़ाने की कोशिश करेंगे। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन अनुकूल रहेगा, एग्जाम से रिलेटेड शुभ समाचार मिल सकता हैं।

मिथुन राशि : आज आपका दिन अच्छा रहेगा। राजनीति से जुडे लोगों के लिए आज का दिन अच्छा है समाज हित में किये गये कामों की तारीफ़ होगी। आज कार्यस्थल पर लोगों के साथ जुड़े रहने की और मिलने-जुलने की कोशिश करेंगे, लेकिन अपने विचारों में किसी भी प्रकार का बदलाव सोच-समझकर करें। पिछली बातों से मिली सीख को आज ध्यान में रखेंगे। स्वास्थ्य आज पहले से काफी अच्छा रहेगा।

कर्क राशि : आज आपके दिन की शुरुआत खुशियों से भरी होगी। आज अन्य लोगों की समस्याओं को सुलझाने पर आपका ध्यान रहेगा, इस कारण व्यक्तिगत जीवन की कुछ बातों को नजरअंदाज न करें। आज का दिन दोस्तों के साथ मौज-मस्ती में बितेगा, आप उसके साथ बाहर जा सकते है जहां किसी दूर के रिश्तेदार से आपकी मुलाकात होगी। परिवार के साथ रात का डिनर बाहर करने का मन बनायेंगे।

सिंह राशि : आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आप नए विचारों से परिपूर्ण रहेंगे। आप जिन कामों को करने के लिए सोचेंगे, वे आपको उम्मीद से ज़्यादा फायदा दे सकते हैं। आज के दिन की शुरुआत शुभ संकल्पों से होगी। जो लोग मिट्टी के व्यवसाय से जुड़े है, उनके लिए आज का दिन फायदेमंद रहेगा। बिजनेस बढ़ाने की योजनाओं पर अमल करने के लिए आज का दिन अच्छा है।

कन्या राशि: आज भाग्य का आपको पूरा-पूरा साथ मिलेगा। ऑफिस में अपनी प्रगति के बारे में विचार करेंगे। आज शांति से कामकाज निपटाने की कोशिश करेंगे तो बिना गड़बड़ के काम समय से पूरा हो जायेगा। आज आप पुरानी देनदारी निपटा सकते हैं। आज आपको दूसरों का मूड समझने में बहुत हद तक सफलता मिलेगी। आगे बढ़ने के लिए आप कुछ नया सीखेंगे। इस राशि के जो लोग सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र से जुड़े हुए हैं, उन्हें तरक्की के नये अवसर प्राप्त होंगे।

तुला राशि : आज आपका दिन शानदार रहेगा। ऑफिस के किसी काम को लेकर बॉस आपको सलाह देंगे, जो आपके लिए कारगर साबित होगा। आज किसी से भी बेवजह मजाक करने से आपको बचना चाहिए। आज महत्वपूर्ण काम पूरा होने से मन खुश रहेगा। आज कुछ नये मौके और नये विचार सामने आयेंगे, जिन्हें आप खुले मन से स्वीकार करेंगे। आज आप ज्यादातर मामलों में खुद को भाग्यशाली महसूस करेंगे।

वृश्चिक राशि : आज आपका दिन लकी रहेगा। आज आप जो भी करें, अच्छे से समझकर करें, फायदा होगा । सरकारी कामों में किसी अनुभवी से सलाह मिल सकती है, जो आपके बहुत काम आ सकती है । इस राशि के जो लोग कोचिंग संचालक हैं, उनके लिये अपने काम में कुछ बदलाव करने का आज अच्छा दिन है। स्वास्थ्य को लेकर आज आप सतर्क रहेंगे। आज कार्यों में जीवनसाथी का सहयोग बना रहेगा।

धनु राशि : आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। अपने व्यक्तित्व को निखारने के लिए आज का दिन बढ़िया है। आज आपको किसी सम्मानित व्यक्ति से मिलने का मौका मिल सकता है। इस राशि के कांट्रेक्टर के लिए आज का दिन धनलाभ देने वाला है।

मकर राशि :आज का दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज थोड़ी मेहनत से किसी बड़े फायदे का योग बन रहा है। जीवनसाथी की मदद से आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा। आज किसी समारोह में जाने का प्लान बनायेंगे, जहां किसी दूर के रिश्तेदार से आपकी मुलाकात हो सकती है।

कुंभ राशि : आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज किसी ऐसे मित्र से कॉल पर बात होगी, जिससे पुरानी यादें ताजा हो जाएगी। आज पिछली बातों की वजह से मन उलझन में रहेगा, लेकिन जल्द ही सब ठीक हो जायेगा। प्रॉपर्टी डीलर के लिए आज का दिन फायदा देने वाला है, इससे आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा।

मीन राशि : आज आपका दिन नई सौगात लेकर आया है। आज करियर संबंधी शुभ समाचार मिलेगा, जिससे घर का वातावरण खुशनुमा हो जायेगा। सेहत आज फिट रहेगी। मन में पैसों को लेकर कई तरह के विचार आ सकते हैं।

बेहतर स्थिति में भारतीय अर्थव्यवस्था

सतीश सिंह

खाद्य वस्तुओं की कीमतों में कमी के कारण उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित खुदरा मुद्रास्फीति दर जनवरी महीने में कम होकर 4.31 प्रतिशत के स्तर पर आ गई, जो पिछले 5 महीनों में सबसे कम है। यह दिसम्बर महीने में 5.22 प्रतिशत के स्तर पर थी, जबकि जनवरी 2024 में यह 5.1 प्रतिशत के स्तर पर थी। इससे पहले नवम्बर महीने में महंगाई दर 5.48 प्रतिशत के स्तर पर थी। महंगाई के बास्केट में लगभग 50 प्रतिशत योगदान खाने-पीने की चीजों का होता है। इनकी महंगाई महीने दर महीने आधार पर जनवरी महीने में घटकर 6.02 प्रतिशत के स्तर पर आ गई। दिसम्बर महीने में यह 9.04 प्रतिशत से घटकर यह 8.39 प्रतिशत के स्तर पर आ गई थी, जो जनवरी 2024 में 8.30 प्रतिशत के स्तर पर थी। वहीं, ग्रामीण महंगाई दिसम्बर महीने में 5.95 प्रतिशत से घटकर 5.76 प्रतिशत और शहरी महंगाई 4.89 प्रतिशत से घटकर 4.58 प्रतिशत के स्तर पर आ गई थी। मौजूदा गिरावट की सबसे बड़ी वजह सब्जियों की कीमतों में भारी कमी का आना है। आंकड़ों के मुताबिक खाद्य और पेय पदाथरे की महंगाई जनवरी महीने में 5.68 प्रतिशत के स्तर पर रही, जबकि दिसम्बर महीने में यह 7.7 प्रतिशत के स्तर पर थी। खास तौर पर सब्जियों की कीमतें 25.6 प्रतिशत से कम होकर 11.35 प्रतिशत के स्तर पर आ गई, जिससे आमजन को भारी राहत मिली है। इसी क्रम में अनाज की महंगाई जनवरी महीने में 6.24 प्रतिशत के स्तर पर रही, जो दिसम्बर महीने में 6.5 प्रतिशत के स्तर पर रही थी। मांस और मछली की महंगाई जनवरी महीने में 5.25 प्रतिशत के स्तर पर आ गई, जो दिसम्बर महीने में 5.3 प्रतिशत के स्तर पर थी। गौरतलब है कि भारतीय रिजर्व बैंक ने दिसम्बर महीने में वित्त वर्ष 2024-25 के लिए महंगाई के अनुमान को 4.8 प्रतिशत कर दिया था, जबकि इसके पहले केंद्रीय बैंक ने इसे 4.5 प्रतिशत के स्तर पर रहने का अनुमान जताया था। वहीं, वित्त वर्ष 2025 और वित्त वर्ष 2026 में महंगाई के भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित सहनशीलता सीमा के अंदर रहने के आसार हैं। किसी की क्रय शक्ति को निर्धारित करने में मुद्रास्फीति महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है। मुद्रास्फीति बढऩे पर वस्तु एवं सेवा दोनों की कीमतों में इजाफा होता है, जिससे व्यक्ति की खरीदारी क्षमता कम हो जाती है और वस्तुओं एवं सेवाओं की मांग कम हो जाती है। फिर, उनकी बिक्री कम होती है, उनके उत्पादन में कमी आती है, कंपनी को घाटा होता है, कामगारों की छंटनी होती है, रोजगार सृजन में कमी आती है आदि। फलतः आर्थिक गतिविधियां धीमी पड़ जाती हैं एवं विकास की गति बाधित होती है। ऐसे में यह कहना समीचीन होगा कि महंगाई को कम करने से ही विकास की रफ्तार तेज हो सकती है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने जीडीपी के वित्त वर्ष 2024-25 के लिए अपने पहले अग्रिम अनुमान में जीडीपी वृद्धि दर के 6.4 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है, जो पिछले 3 वित्त वर्षो से कम है। गत वित्त वर्ष के दौरान जीडीपी वृद्धि दर 8.2 प्रतिशत रही थी। वहीं, भारतीय रिजर्व बैंक ने वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान जीडीपी के 6.6 प्रतिशत की दर से आगे बढऩे का अनुमान जताया है। वैसे,भारत की जीडीपी वृद्धि दर के कम होने के बावजूद दुनिया के सबसे शक्तिशाली देश अमेरिका से भारतीय अर्थव्यवस्था बेहतर स्थिति में है और आगामी वर्षो में भी इसके मजबूत बने रहने के आसार हैं। वित्त वर्ष 2024 के दौरान अमेरिका में विकास दर के 2.7 प्रतिशत और वित्त वर्ष 2025 में 2.0 प्रतिशत रहने का अनुमान है। इधर, खनन और

विनिर्माण क्षेत्र के कमजोर प्रदर्शन के कारण दिसम्बर 2024 में भारत औद्योगिक उत्पादन (आईआईपी) वृद्धि दर कम होकर 3.2 प्रतिशत के स्तर पर आ गई। साथ ही, सरकार ने नवम्बर 2024 के आईआईपी आंकड़ों 5.2 प्रतिशत से संशोधित करके 5.00 प्रतिशत कर दिया है। खनन व विनिर्माण क्षेत्र की धीमी रफ्तार और विगत दो तिमाहियों में जीडीपी की धीमी गति को देखते हुए, सरकार विकास की गति को बढ़ाना चाहती है। इसलिए, बजट में भी निवेश, बचत और खपत को बढ़ाने पर जोर दिया गया है, क्योंकि इनमें तेजी लाकर ही आर्थिक गतिविधियों में तेजी लाकर विकास को गति दी जा सकती है। आर्थिक गतिविधियों में तेजी लाने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक ने 7 फरवरी को की गई मौद्रिक समीक्षा में रेपो दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती की, जिससे यह 6.50 प्रतिशत से घटकर 6.25 प्रतिशत के स्तर पर आ गया। गौरतलब है कि करीब 5 सालों के बाद रेपो दर में कटौती की गई है। मुख्य तौर पर महंगाई के कारण केंद्रीय बैंक अभी तक रेपो दर में कटौती करने से परहेज कर रहा था। पिछले दो सालों में 14 प्रतिशत से 16 प्रतिशत के बीच की ऋण वृद्धि रहने के बाद समग्र क्रेडिट ग्रोथ बीते कुछ महीनों से धीमी हो रही है और दिसम्बर 2024 में यह घटकर 11.2 प्रतिशत के स्तर पर आ गई है। इसका एक बड़ा कारण उधारी दर का महंगा होना है। दरअसल, बैंकों के पास सस्ती पूंजी नहीं है। इसलिए वे महंगी दर पर ऋण देने के लिए मजबूर हैं और महंगी दर पर ऋण उपलब्ध होने के कारण आमजन और कारोबारी ऋण लेने से बच रहे हैं। इस वजह से, कंपनियों के पास पूंजी की कमी है, जिसके कारण वे पूरी क्षमता के साथ उत्पादन नहीं कर पा रहे हैं। आरबीआई द्वारा रेपो दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती करने से बैंकों को सस्ती दर पर पूंजी मिलेगी और वे सस्ती दर पर ऋण दे सकेंगे और जब सस्ती दर पर उधार मिलेगा तो आमजन और कारोबारी दोनों ऋण लेंगे, जिससे निवेश और बचत दोनों में तेजी आएगी और खपत बढ़ेगी साथ ही साथ आर्थिक गतिविधियों में भी वृद्धि होगी।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसार:-9931408109 ईमेल:-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइट:-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

विराट आईसीसी टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज बने

• पोंटिंग का रिकॉर्ड तोड़ा

दुबई। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी क्रिकेट के अपने पहले ही मैच में बांग्लादेश के खिलाफ अपनी 22 रनों की पारी के दौरान ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। विराट अब आईसीसी टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज बन गये हैं। विराट ने इस मैच में 13 रन बनाते ही रिकी पोंटिंग का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। अब पोंटिंग सबसे अधिक रनों के मामले में तीसरे नंबर पर खिसक गये हैं। पोंटिंग के 44.0 की औसत से 2336 रन हैं। वहीं विराट के 64.5 के औसत से 2346 रन हैं। पहले नंबर पर 52.28 के औसत से सचिन तेंदुलकर के 2719 रन हैं। इस मैच में विराट ने एकदिवसीय प्रारुप में सबसे ज्यादा कैच लेने के मोहम्मद अजहरुद्दीन के 156 कैच के रिकार्ड की भी बराबर कर ली है। विराट ने साल 2013 में महेन्द्र सिंह धोनी की कप्तानी में भारतीय टीम को चैम्पियंस ट्रॉफी खिताब जीतने में अहम भूमिका निभाई थी। वहीं साल 2017 में वह बतौर कप्तान चैंपियंस ट्रॉफी में गए लेकिन वहां उन्हें सफलता नहीं मिली। कोहली की कप्तान में ही भारतीय टीम 2021 टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल जीतने में भी विफल रही। 36 साल के हो रहे कोहली अब करियर के अंतिम पड़ाव पर हैं। आगामी आईसीसी इवेंट्स 2027 में होना है तब तक विराट शायद ही खेलें।

शुभमन बोले हमें बाहर से मिल रहे थे निर्देश

दुबई। आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी के पहले ही मैच में बांग्लादेश के खिलाफ शानदार शतक लगाकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले उपकप्तान शुभमन गिल ने कहा है कि उन्हें अंत तक बल्लेबाजी करने के संदेश मिले थे। शुभमन ने इस मैच में धीमी बल्लेबाजी करते हुए 129 गेंदों पर 9 चौके और दो छक्के लगाकर 101 रन बनाये। धीमी बल्लेबाजी का कारण शुभमन ने ड्रेसिंग रुम से मिल रहे उस संदेश को कारण बताया जिससे उन्हें टिककर अंत तक खेलने को कहा गया था। शुभमन की इस बात से साफ है कि कोच गौतम गंभीर ने मैच पर नियंत्रण बनाये रखा हुआ था। भारतीय टीम ने शुभमन की शानदार बल्लेबाजी और शमी के पांच विकेटों की सहायता से आसानी से मैच जीत लिया। शुभमन अपनी बल्लेबाजी से खुश दिखे और कहा, ''यह निश्चित रूप से मेरे सबसे अच्छे शतकों में से एक था। आईसीसी टूर्नामेंट में यह मेरा पहला शतक है जिससे मैं काफी उत्साहित हूं। पिच आसान नहीं थी। शुरुआत में ऑफ स्टंप के बाहर की गेंद बल्ले पर ठीक से नहीं आ रही थी पर हमें मैदान के बाहर से निर्देश मिल रहे थे और उसी के अनुसार मैंने तेज गेंदबाजों के खिलाफ क्रीज का इस्तेमाल करते हुए स्ट्रोक्स खेले जिससे काफी लाभ हुआ।'' कप्तान रोहित ने मैच जीतने के बाद कहा, '' आपको हर मैच से पहले आत्मविश्वास से भरा रहना होगा। मैच के दौरान हर स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहना पड़ता है। कप्तान के तौर पर मुझे लगता है कि हमने हालातों के अनुसार अपने को ढ़ाल जिसके कारण ही हमें सफलत मिली। साथ ही कहा कि बड़े टूर्नामेंटों में दबाव तो रहता ही है जिसका सामना करना आपको आना चाहिये। '' वहीं दूसरी ओर हार से निराश बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हसन शंटो ने कहा, ''हमारी शुरुआत खराब रही थी पर इसके बाद तोहिद हृदय और जाकिर अली ने अच्छी साझेदारी कर हमें मैच में बनाये रखा। वहीं लक्ष्य का बचाव करने के दौरान हमारा क्षेत्ररक्षण खराब रहा जिससे मैच हमारे हाथ से निकल गया। अगर हम अवसरों का लाभ उठाते तो परिणाम कुछ अलग होता।''

कोच बदलने का कोई इरादा नहीं : मनु भाकर

नई दिल्ली। स्टार महिला निशानेबाज मनु भाकर ने कहा कि उनका कोच बदलने का कोई इरादा नहीं हैं और जसपाल राणा ही आगे भी उनके कोच बने रहेंगे। राणा को हाल ही में भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने पिस्टल निशानेबाजी का हाई परफार्मेंस ट्रेनर नियुक्त किया था। ऐसे में माना जा रहा था कि वह मनु के कोच नहीं रहेंगे। राणा ही पेरिस ओलंपिक में मनु के कोच थे जिसमें मनु ने दो कांस्य पदक जीते थे। राणा और मनु के बीच ओलंपिक से पहले भी एक बार मतभेद की खबरें आईं थीं पर दोनो ने ही पेरिस ओलंपिक में एकसाथ आकर उन्हें गलत साबित किया था। मनु ने राणा के मार्गदर्शन में ही एक ही ओलंपिक में दो पदक जीते थे। उन्होंने दस मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत और टीम वर्ग में कांस्य पदक जीते थे। मनु ने साल की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी का पुरस्कार जीतने के बाद कहा,'मैं इतना ही कहूंगी कि राणा मेरे कोच हैं और अपने काम में बहुत अच्छे हैं। वह काफी प्रतिभाशाली हैं और मेरे लिये बहुत अच्छे कोच रहे हैं।' मनु एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय एथलीट हैं। उन्होंने 2024 के पेरिस ओलंपिक में 10 मीटर एयर पिस्टल इवेंट के सिंगल्स और टीम इवेंट में कांस्य पदक जीते थे। पेरिस ओलंपिक 2024 में मनु भाकर शानदार प्रदर्शन कर एक सफल खिलाड़ी साहित हुईं। उनके बेहतर प्रदर्शन के कारण उन्हें देश के सबसे बड़े खेल पुरस्कार, मेजर ध्यानचंद खेल रत्न से नवाजा गया। पेरिस ओलंपिक के बाद उनकी नेटवर्थ में भी बड़ी इजाफा हुआ है।

रोहित 100 अंतरराष्ट्रीय मैच जीतने वाले चौथे भारतीय कप्तान बने

दुबई। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में बांग्लादेश के खिलाफ जीत के साथ ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। इसी के साथ ही रोहित 100 अंतरराष्ट्रीय मैच जीतने वाले चौथे भारतीय कप्तान बन गये हैं। इससे पहले मोहम्मद अजहरुद्दीन, महेन्द्र सिंह धोनी और विराट कोहली के नाम ही कप्तान के तौर पर 100 मैच जीतने का रिकार्ड है। रोहित ने अपने 138वें मैच में कप्तानी करते हुए जीत का शतक लगाया। रोहित का अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में जीत प्रतिशत 72 से ज्यादा का है, जो 22 से ज्यादा मैच खेलने वाले सभी कप्तानों में सबसे अधिक है। उनकी तुलना में धोनी का जीत प्रतिशत 53.61, अजहरुद्दीन का 47.05 और कोहली का 63.38 रहा। रोहित शर्मा की कप्तानी में भारत ने कुछ समय पहले टी20 विश्व कप भी जीता था। अब उनकी नजरें देश को चैंपियंस ट्रॉफी के तौर पर दूसरा खिताब जिताना होगा। भारतीय टीम ने पहले मैच में बांग्लादेश को 228 पर समेटने के बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य को चार विकेट खोकर 231 रन बनाकर हासिल कर लिया था।

अब तनावमुक्त होकर किसी बच्चे की तरह खेल का आनंद लेना चाहता हूं : धोनी

मुंबई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास के बाद केवल आईपीएल में ही खेलते नजर आते हैं। धोनी अब 43 साल के हो गये हैं और माना जा रहा है कि आईपीएल 2025 के बाद वह इस लीग में भी शायद ही खेलें। ऐसे में अब धोनी करियर के अंतिम समय में तनावमुक्त होकर किसी बच्चे की तरह खेलना चाहते हैं। धोनी की कप्तानी में ही चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) ने पांच बार खिताब जीता था पर पिछले सत्र में उन्होंने कप्तानी भी छोड़ दी थी। धोनी का कहना है कि अभी वह आईपीएल खेलते रहेंगे पर वह किसी बच्चे की तरह क्रिकेट खेलने का आनंद उठाना चाहते हैं। आईपीएल में वह चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेलते हैं और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से उनके संन्यास के पांच साल से अधिक हो गये हैं। ऐसे में अब उन्हें 'अनकैप्ड क्रिकेटर के तौर पर ही शामिल किया गया है। धोनी ने कहा कि मैं 2019 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से विदा ले चुका हूं। इस बीच मैं जितने भी साल खेलने के बचे हैं, उसमें एक बच्चे की तरह अपने खेल का आनंद लेना चाहता हूं। उन्होंने कहा कि मैं उसी तरह से इसका मजा लेना चाहता हूं जैसे अपने स्कूली दिनों में लेता था। जब मैं एक कॉलोनी में रहता था और दोपहर 4 बजे खेलने का समय होता था। हम उस समय क्रिकेट ही खेला करते थे। मौसम खराब होने पर फुटबॉल खेलते थे। मैं उसी मासूमियत के साथ खेलना चाहता हूं हालांकि यह उतना आसान नहीं है। धोनी ने कहा कि भारत के लिए खेलते समय उनका ध्यान हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होता था और बाकी सब बाद में आता था। उन्होंने कहा कि एक क्रिकेटर के तौर पर भारतीय क्रिकेट टीम के लिए मैं हमेशा अच्छा प्रदर्शन करना चाहता था। मैं पहले भी कह चुका हूं कि हर किसी को देश के लिए खेलने का अवसर नहीं मिलता। उन्होंने युवा खिलाड़ियों को अपने लिए सही प्राथमिकताएं निर्धारित करने को कहा है। उन्होंने कहा कि आपको यह पता करना होगा कि आपके लिए क्या सही है। जब मैं खेलता था तो मेरे लिए क्रिकेट ही सब कुछ था, बाकी कुछ मायने नहीं रखता था।

व्यापार

कमजोरी के साथ खुले शेयर बाजार

सेंसेक्स 159 अंक टूटकर 75,570 पर, निफ्टी50 22,860 पर

मुंबई। वैश्विक बाजार से मिलेजुले संकेतों के बीच शुक्रवार के कारोबारी दिन शेयर बाजार की कमजोर शुरुआत हुई। बीएसई सेंसेक्स और निफ्टी 50 शुक्रवार को गिरावट के साथ खुले। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 159.84 अंक टूटकर 75,576.12 पर आ गया, जबकि निफ्टी 50 49.70 अंक गिरकर 22,863.45 पर कारोबार कर रहा था। फाइनेंशियल, ऑटो और ऑयल शेयरों में कमजोरी देखी जा रही है। सेंसेक्स में टाटा स्टील, जोमैटो और एलएंडटी टॉप गेनर रहे, जबकि महिंद्रा एंड महिंद्रा, कोटक महिंद्रा बैंक और आईसीआईसीआई बैंक सबसे ज्यादा गिरावट वाले शेयरों में शामिल हैं। शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव जारी है। निफ्टी 50 में महिंद्रा एंड महिंद्रा, एनटीपीसी और आईसीआईसीआई बैंक को नुकसान हुआ और ये टॉप लूजर्स में शामिल रहे। वहीं सिप्ला, सन फार्मा और भारती एयरटेल टॉप गेनर्स के रूप में उभरे। वहीं एशिया बाजारों में मिलाजुला कारोबार देखने को मिल रहा है। जापान के निक्कई 225 में 0.43 फीसदी की गिरावट आई, क्योंकि देश की जनवरी महंगाई दर 4 फीसदी तक पहुंच गई। यह आंकड़ा जनवरी 2023 के बाद सबसे ऊंचा स्तर है। वहीं कोर महंगाई दर भी 3.2 फीसदी तक बढ़ गई। इस महंगाई आंकड़े ने बैंक ऑफ जापान के ब्याज दर बढ़ाने के फैसले को और मजबूत कर दिया है। हालांकि, हैंग सेंग फ्यूचर्स में मजबूती दिखी। वॉल स्ट्रीट के प्रमुख इंडेक्स गुरुवार को गिरावट के साथ बंद हुए। रिटेल दिग्गज वॉलमार्ट के कमजोर अनुमान ने आर्थिक हालात को लेकर चिंता बढ़ा दी, जिससे बाजार पर दबाव देखा गया। डाओ जोंस इंडस्ट्रियल एवरेज 451 अंक लुढ़ककर बंद हुआ। एसएंडपी 500 में 0.43 फीसदी और नैस्डैक कंपोजिट में 0.47 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। इस बीच अमेरिका में बेरोजगारी भत्ते के लिए नए दावों की संख्या भी बढ़ी। 15 फरवरी को समाप्त सप्ताह में शुरुआती बेरोजगारी दावे 5,000 बढ़कर 2,19,000 पर पहुंच गए, जबकि रॉयटर्स के अनुमान में यह संख्या 2,15,000 रहने की उम्मीद थी। वहीं घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को एक बार फिर गिरावट में बंद हुए थे। इंडेक्स में हैवीवेट शेयरों, जैसे एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक, में गिरावट ने बाजार को नीचे खींच लिया। बीएसई सेंसेक्स गुरुवार को 200 से ज्यादा अंकों की गिरावट के साथ 75,672 पर खुला था। कारोबार के दौरान यह 75,463 अंक तक गिर गया था, लेकिन अंत में 203.22 अंककी गिरावट के साथ 75,735 पर बंद हुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज निफ्टी50 भी गिरावट लेते हुए 22,821 अंक पर लाल निशान में खुला। अंत में यह 19.75 अंक की गिरावट लेते हुए 22,913.15 अंक पर बंद हुआ।

सोने-चांदी के भाव में आई गिरावट

सोना 85,811 रुपए प्रति 10 ग्राम, चांदी 96,698 रुपए पर

नई दिल्ली। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को सोना-चांदी खरीदने वालों को राहत मिली है। सराफा बाजार में दोनों कीमती धातुओं के वायदा भाव में गिरावट देखी जा रही है। कारोबार की शुरुआत में एमसीएक्स पर सोने का भाव 0.25 फीसदी की गिरावट के साथ 85,811 रुपए प्रति 10 ग्राम जबकि चांदी 0.43 फीसदी गिरकर 96,698 रुपए पर कारोबार कर रही है। इस साल1 जनवरी से अब तक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 76,162 रुपए से 10,358 रुपए बढ़कर 86,520 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं चांदी का भाव भी 86,017 रुपए प्रति किलो से 11,772 रुपए बढ़कर 97,789 रुपए पर पहुंच गया है।

भारत को 35 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए केंद्र व राज्य मिलकर कर रहे काम: गोयल

कोच्चि / नई दिल्ली । केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि केंद्र सरकार भारत को 2047 तक 30-35 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए सभी राज्यों के साथ मिलकर काम कर रही है। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री ने कोच्चि में इन्वेस्ट केरल ग्लोबल समिट 2025 को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था को मौजूदा 4 ट्रिलियन डॉलर से 2047 तक 30-35 ट्रिलियन यूएस डॉलर तक ले जाने के लिए हम सभी राज्यों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। गोयल ने केरल निवेश वैश्विक शिखर सम्मेलन में निवेशकों को आकर्षित करने का प्रयास करते हुए कहा कि वे जल्द ही बहरीन के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए बातचीत शुरू करेंगे। उन्होंने देश में निवेश के अवसरों पर प्रकाश डाला। वाणिज्य मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि देश में विकास, प्रगति और आर्थिक अवसरों के लिए बेजोड़ अवसर हैं। मोदी सरकार के निरंतर समर्थन से केरल बुनियादी ढांचे, पर्यटन, लॉजिस्टिक्स और निर्यात सहित अन्य क्षेत्रों में शानदार प्रगति कर रहा है। वैश्विक विकास को गति देने के लिए राज्य और भारत की विकास यात्रा में भाग लेने के लिए उन्होंने निवेशकों से आग्रह किया। केंद्रीय मंत्री ने जोर देकर कहा कि हम सभी राज्यों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र सरकार और वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) नीत केरल सरकार के बीच मतभेद पर उन्होंने कहा कि वह केरल के साथ एकजुटता दिखाने के लिए ही यहां आए हैं। उन्होंने निवेशकों से केरल और देश में निवेश करने का आग्रह करते हुए कहा कि आएं और निवेश के फल का आनंद लें। इस दो दिवसीय शिखर सम्मेलन में करीब 3,000 प्रतिभागियों के आने की उम्मीद है।

रुपया 14 पैसे बढ़त के साथ 86.50 डॉलर पर

रुपया गुरुवार को 86.64 पर बंद हुआ था

मुंबई । रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में 14 पैसे मजबूत होकर 86.50 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू बाजारों में कमजोर रुख और विदेशी पूंजी की निकासी के कारण रुपये के थोड़े नकारात्मक रुख के साथ कारोबार करने की आशंका है। हालांकि, कच्चे तेल की कीमतों में समग्र कमजोरी तेज गिरावट को कम कर सकती है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 86.50 पर खुला, जो पिछले बंद भाव से 14 पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया गुरुवार को 34 पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.64 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.04 प्रतिशत की बढ़त के साथ 106.41 पर रहा।

सरकार को गेल और बीपीसीएल से लाभांश किश्तों के 3351 करोड़ रुपये मिले : दीपम सचिव

नई दिल्ली । केंद्र सरकार को सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी गेल (इंडिया) लिमिटेड और भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) से लाभांश किश्तों के रूप में कुल 3351 करोड़ रुपये प्राप्त हुए हैं। निवेश और सार्वजनिक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) सचिव ने शुक्रवार को जारी बयान में बताया कि केंद्र सरकार को सार्वजनिक क्षेत्र की प्राकृतिक गैस कंपनी गेल इंडिया लिमिटेड और तेल एवं गैस विपणन कंपनी भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड से लाभांश किश्तों के रूप में क्रमशः करीब 2202 करोड़ रुपये और 1149 करोड़ रुपये प्राप्त हुए हैं। उल्लेखनीय है कि गेल इंडिया लिमिटेड एक भारतीय सरकारी स्वामित्व वाली ऊर्जा निगम है, जो प्राकृतिक गैस के व्यापार, पारेषण और उत्पादन वितरण के क्षेत्र में कार्यरत है। वहीं, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड एक फॉर्च्यून 500 कंपनी है, जो भारत सरकार की तीसरी सबसे बड़ी एकीकृत तेल शोधन और विपणन करने वाली सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी है।

GAIL (India) Limited
Bharat Petroleum
Shaping The Future

दिवंगत मां स्मिता पाटिल के घर में हुई प्रतीक की शादी: प्रिया बनर्जी

अपनी शादी को लेकर बॉलीवुड एक्टर प्रतीक बब्बर और उनकी पत्नी प्रिया बनर्जी ने चुप्पी तोड़ी। प्रिया ने बताया कि उनकी शादी बिल्कुल वैसी ही हुई, जैसी उन्होंने सोची थी पर्सनल, इंटीमेट और अपनों के बीच। शादी की खासियत यह थी कि यह रॉक क्लिफ नाम के घर में हुई, जो प्रतीक की दिवंगत मां स्मिता पाटिल का था। यह घर उन्होंने प्रतीक के साथ रहने के लिए खरीदा था, लेकिन तकदीर ने उन्हें साथ नहीं रहने दिया। प्रिया ने कहा, हम मानते हैं कि यह हमारे लिए उनका तोहफा है। वह चाहती थीं कि हमारी शादी इसी घर में हो, और हमने उनकी इस ख्वाहिश को पूरा किया।प्रिया ने बताया कि उन्होंने वैलेंटाइन डे यानी 14 फरवरी को शादी के लिए इसलिए चुना क्योंकि यह प्यार का दिन है और वह और प्रतीक एक-दूसरे से बेहद प्यार करते हैं। उन्होंने कहा, हम पांच साल से साथ हैं, इसलिए शादी के बाद कुछ बदला नहीं लग रहा। लेकिन 14 फरवरी से बेहतर कोई दिन नहीं हो सकता था। शादी में प्रतीक के पिता राज बब्बर और उनके परिवार की गैरमौजूदगी को लेकर कई अफवाहें उड़ रही थीं। इस पर प्रिया ने कहा, हमारे परिवार का कोई ऐसा सदस्य नहीं था जो हमारी शादी में शामिल न हो। पता नहीं ऐसी अफवाहें क्यों उड़ाई जा रही हैं। मेरे माता-पिता वहां थे, प्रतीक की मौसियां थीं, जिन्होंने उसे बड़ा किया, उसके नाना-नानी थे। जो हमारे लिए मायने रखते हैं, वे सभी हमारे साथ थे। हमें ऐसा महसूस हुआ कि प्रतीक की मां भी वहां मौजूद थीं।जब प्रिया से पूछा गया कि शादी का सबसे यादगार पल क्या था, तो उन्होंने कहा, सबसे खास बात यही थी कि हमने प्रतीक की मां के घर में शादी की। इस वजह से हमें उनकी मौजूदगी महसूस होती रही। यहां तक कि वहां मौजूद हर किसी ने कहा कि ऐसा लग रहा था कि वह हमारे साथ हैं। प्रतीक और प्रिया की शादी बेहद निजी थी, लेकिन इसका महत्व उनके लिए बेहद गहरा था। प्रतीक के नाम बदलने से लेकर उनकी मां के घर में शादी करने तक, यह उनके जीवन के एक नए अध्याय की शुरुआत है। बता दें कि अब आधिकारिक तौर पर प्रतीक स्मिता पाटिल बन चुके हैं। हाल ही में उन्होंने अपनी लॉन्गटाइम गर्लफ्रेंड और एक्ट्रेस प्रिया बनर्जी से शादी की। उनकी शादी बेहद प्राइवेट रही, जिसमें बब्बर परिवार शामिल नहीं हुआ।

एक बार फिर सनम तेरी कसम जीत रही दर्शकों का दिल

मुंबई। हाल ही में दोबारा रिलीज हुई फिल्म सनम तेरी कसम को दर्शकों का उम्मीद से दोगुना प्यार मिल रहा है, जिससे फिल्म की पूरी टीम बेहद खुश है। 2016 में रिलीज हुई फिल्म सनम तेरी कसम एक बार फिर दर्शकों का दिल जीत रही है। फिल्म के डायरेक्टर्स विनय सप्रू और राधिका राव ने इस सफलता पर खुशी जताई और एक खास इंटरव्यू में उस मुश्किल दौर को याद किया जब सलमान खान उनके लिए मसीहा बने थे। विनय सप्रू ने बताया कि जब कोई उनके काम को तवज्जो नहीं दे रहा था, तब सलमान खान ने बिना किसी हिचकिचाहट के उनकी फिल्म करने की हामी भर दी थी। उन्होंने कहा, हम एक स्क्रिप्ट और गाने लेकर घूम रहे थे। एक दिन हम गैलेक्सी अपार्टमेंट्स पहुंचे, जहां सलमान खान ने हमें देखकर पूछा, 'तुम लोग यहां क्या कर रहे हो?' जब हमने बताया कि नैरेशन देने आए हैं, तो उन्होंने तुरंत हमें अंदर बुलाया और कहा, 'मुबारक हो, मैं तुम्हारी फिल्म कर रहा हूं।' विनय ने आगे कहा कि हम सिर्फ दो लोग थे, जो एक फिल्म बनाने की कोशिश कर रहे थे, और हमारे सामने एक सुपरस्टार खड़ा था। उन्होंने यह तक कह दिया कि भले ही उन्होंने हमारा काम नहीं देखा, लेकिन वह हमारी फिल्म करने को तैयार हैं। डायरेक्टर्स ने बताया कि सलमान खान के इसी भरोसे की वजह से उन्होंने फिल्म 'लकी-नो टाइम फॉर लव' बनाई थी, हालांकि यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ज्यादा सफल नहीं रही। बावजूद इसके, सलमान ने उनके काम पर विश्वास बनाए रखा। 'सनम तेरी कसम' के दौरान भी सलमान खान ने उन्हें सपोर्ट किया था। विनय ने बताया कि जब फिल्म को कोई खास पहचान नहीं मिल रही थी, तब सलमान के एक ट्वीट ने हमारी बहुत मदद की थी। अब जब 'सनम तेरी कसम' को नई सफलता मिल रही है, तो इसके सीक्वल की चर्चाएं तेज हो गई हैं। इस पर बोलते हुए विनय ने कहा, हर डायरेक्टर की विशलिस्ट में सलमान खान होते हैं। हम लकी के बाद से ही उन्हें दोबारा डायरेक्ट करना चाहते हैं और उनके लिए एक स्क्रिप्ट भी तैयार कर रखी है। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, हर महीने हम उनके पास जाते हैं, उनसे मिलते हैं और कहते हैं, 'गुड मॉर्निंग सर।' यह हमारी यूनिवर्स से की गई एक प्रार्थना है कि एक दिन वह हमें फिर से मौका दें।

बॉबी और ऋषि की लव स्टोरी से बालीवुड में डेब्यू करेगी कावेरी कपूर

बालीवुड फिल्म बॉबी और ऋषि की लव स्टोरी से अभिनेत्री कावेरी कपूर बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं। कावेरी की पहली फिल्म का गाना एक धागा तोड़ा मैंने दर्शकों को काफी पसंद आ रहा है। इस गाने को कावेरी ने खुद कंपोज और गाया है। खास बात यह है कि यह गाना उनके किशोरावस्था में लिखे गए अंग्रेजी गाने रिमिनिस का हिंदी अनुवाद है, जिसके बोल प्रसिद्ध गीतकार प्रसून जोशी ने लिखे हैं और एआर रहमान ने इसे प्रोड्यूस किया है। महान संगीतकार एआर रहमान ने कावेरी की गीत लेखन और संगीत की कला की जमकर तारीफ की है।

उन्होंने एक बयान में कहा, गीत लिखना और उसमें व्यक्तिगत भावनाओं को व्यक्त करना एक दुर्लभ उपहार है। यह हर किसी को नहीं मिलता। कावेरी में यह गुण उनके दुनिया को देखने के अनोखे नजरिए की वजह से है। मुझे उनके साथ इस ट्रैक पर काम करने और सह-निर्माण करने में बहुत आनंद आया। मैं उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं देता हूं।एक धागा तोड़ा मैंने सिर्फ एक रोमांटिक गाना नहीं है, बल्कि यह जीवन की कठिनाइयों और उनसे जूझने की ताकत को भी दर्शाता है। कावेरी की मधुर आवाज और गाने के गहरे बोल इसे खास बनाते हैं। कावेरी ने पहले बताया था कि वह एआर रहमान को अपना गुरु मानती हैं और उन्होंने ही उनकी संगीत यात्रा को गाइड किया। जब उन्होंने रिमिनिस गाना रहमान को दिखाया, तो उन्होंने इसमें गहरी रुचि ली। बाद में, जब फिल्म बॉबी और ऋषि की लव स्टोरी के निर्देशक कुणाल कोहली ने यह गाना सुना, तो उन्होंने इसे फिल्म के म्यूजिक एल्बम में शामिल करने का फैसला किया। इसके बाद प्रसून जोशी ने हिंदी बोल लिखे और यह खूबसूरत गाना बना। हाल ही में एआर रहमान ने कॉमेडियन समय रैना और पॉडकास्टर रणवीर इलाहाबादिया से जुड़े इंडियाज गॉट लेटेंट विवाद पर भी प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि पिछले सप्ताह हमने देखा है कि मुंह खोलने पर क्या-क्या होता है। उनकी इस बात पर खूब तालियां बजीं और सोशल मीडिया पर भी इसे लेकर चर्चाएं हुईं।

साहित्य के क्षितिज पर नई ऊंचाइयां छू रही ट्विंकल खन्ना

मशहूर लेखिका और पूर्व अभिनेत्री ट्विंकल खन्ना अपने नवीनतम पुस्तक वाचन सत्र के लिए यहां पहुंचीं। रैफल्स उदयपुर के भव्य राइटर्स बार में आयोजित इस कार्यक्रम में साहित्य प्रेमियों का हुजूम उमड़ पडा। एक्ट्रेस ट्विंकल खन्ना, जो कभी बॉलीवुड में स्टारडम की चमक थी, अब साहित्य के क्षितिज पर नई ऊंचाइयां छू रही हैं। उनकी नवीनतम किताब 'वेलकम टू पैराडाइज़' के कुछ अंश जब उनकी आवाज़ में गूंजे, तो श्रोता मंत्रमुग्ध हो गए। किताब के शब्दों और ध्वनिक संगीत के सुरों ने ऐसा समां बांधा कि कुछ लोगों को लगा मानो अगले ही पल बैकग्राउंड में कोई डांस सीक्वेंस भी शुरू हो जाएगा! राइटर्स बार की साज-सज्जा भी किसी भव्य फिल्मी सेट से कम नहीं थी—औपनिवेशिक शैली की भव्यता, झूमरों की मद्धम रोशनी और 3,000 से अधिक किताबों का समृद्ध संग्रह। पुस्तकालय में सजी किताबें भी जैसे वहां मौजूद लोगों को छेड़ते हुए कह रही थीं, "अरे भाई, हमें भी पढ़ लो, सिर्फ सेल्फी मत लो!" अपने लेखन यात्रा के बारे में बात करते हुए ट्विंकल खन्ना ने कहा, "लेखन एक कला है, जिसमें कल्पना की चुटकी, व्यंग्य का तड़का और ह्यूमर की धीमी आंच पर पकाई गई कहानियां मिलाई जाती हैं।" उनकी इस शैली ने श्रोताओं को सोचने पर मजबूर कर दिया कि साहित्य में हास्य और व्यंग्य कैसे एक नई जान डाल सकते हैं। रैफल्स उदयपुर के महाप्रबंधक राजेश नाम्बी ने इस कार्यक्रम को 'प्रेरणादायक' बताया। वहां मौजूद साहित्यप्रेमियों की गहन चर्चाओं को देखकर ऐसा लग रहा था कि वे किसी गंभीर सामाजिक मुद्दे का हल निकालने वाले हैं—या फिर बस यह तय कर रहे हैं कि चाय के साथ कौन सा स्नैक्स ज्यादा स्वादिष्ट रहेगा! कार्यक्रम के अंत में ट्विंकल खन्ना ने अपनी किताबों पर ऑटोग्राफ दिए, और साहित्यिक संवाद के साथ-साथ हाई-टी का भी भरपूर आनंद लिया गया। वहां मौजूद लोग चाय की चुस्कियों के बीच मन ही मन सोच रहे थे, "अगर हर साहित्यिक आयोजन ऐसा हो, तो कौन कहेगा कि पढ़ाई-लिखाई बोरिंग होती है?" रैफल्स उदयपुर में आयोजित इस सत्र ने यह साबित कर दिया कि जब साहित्य में ग्लैमर और ह्यूमर का सही मिश्रण हो, तो पढ़ना भी एक स्टाइल स्टेटमेंट बन सकता है।

Don't take me lightly: Eknath Shinde amid rift rumours with Devendra Fadnavis

Agency: Maharashtra Deputy Chief Minister Eknath Shinde warned his detractors against taking him lightly amid speculation of a widening chasm between the Shiv Sena chief and Chief Minister Devendra Fadnavis. Shinde, who has been skipping meetings called by Fadnavis, asserted that he overturned the incumbent government when he was taken lightly in 2022, referring to the fall of the Uddhav Thackeray-led MVA regime. The remark came after Fadnavis put on hold a Rs 900 crore project in Jalna that was approved during Shinde's tenure as Chief Minister. An investigation has also been ordered amid questions regarding the project's validity and the intentions behind Shinde's approval. Speaking to reporters, Shinde said, "I am a normal party worker, but I am also a worker of Bala Saheb and everyone should understand this. When I was taken lightly in 2022, I overturned the incumbent government." In 2022, Shinde's rebellion with 40 MLAs triggered a split in the Shiv Sena and brought down the curtains on the Maha Vikas Aghadi government. He later formed the government with the BJP and was made the Chief Minister. However. Shinde had to make way for Fadnavis for the top post after the BJP's strong performance in the 2024 Maharashtra Assembly polls, where it won 132 of the 230 seats grabbed by the Mahayuti alliance. Speculation has been rife since then that Shinde is sulking on being denied the top post. In cryptic remarks, Shinde further said, "In my first speech in the Vidhan Sabha, I said that Devendra Fadnavis ji would get more than 200 seats, and we got 232 seats. That is why do not take me lightly. The people for whom it is intended will understand it."

Sources had previously told that Shinde seemed to be avoiding sharing the stage with Fadnavis and had skipped several meetings called by the Chief Minister. The duo have also set up parallel medical assistance desks in the state secretariat, intensifying the power tussle. The rift deepened over a tussle for guardian minister posts for Raigad and Nashik -- an issue still unresolved. However, Shinde, earlier this week, asserted that there was "absolutely no cold war" with the Chief Minister. "We are united in our fight against those who oppose development," Shinde said.

Government after Trump claims US election interference in India

Agency: The Centre on Friday raised serious concerns over recent remarks by US President Donald Trump, who alleged that the United States Agency for International Development (USAID) allocated a USD 21 million fund to India with the intent of "influencing its electoral process". Addressing a weekly media briefing, Ministry of External Affairs (MEA) spokesperson Randhir Jaiswal described the claims as "deeply troubling" and ensured that the matter is being examined by relevant authorities. "We have seen information that has been put out by the US administration regarding certain USA activities and funding. These are obviously very deeply troubling. This has led to concerns about foreign interference in India's internal affairs," Jaiswal stated. He further added that the government is actively looking into the matter, but refrained from making a detailed public statement at this stage. "Relevant departments and agencies are looking into this matter. It would be premature to make a public comment at this stage, so relevant authorities are looking into it, and hopefully we can come up with an update on that subsequently," he added. During his speech in Miami earlier this week, Trump announced the cancellation of the USAID grant to India and claimed that the previous Joe Biden-led administration was attempting to interfere in India's 2024 Lok Sabha elections to "elect someone else". "Why do we need to spend USD 21 million for voter turnout in India? Wow, USD 21 million! I guess they were trying to get somebody else elected," Trump had said. However, an Indian Express investigation report claimed that no USAID grant has been allocated for any election-related projects in India since 2008. The report instead asserted that the only USAID-funded initiative in Asia was a USD 21 million grant sanctioned in 2022 for Bangladesh's voter participation project, "Amar Vote Amar" (My Vote is Mine). Donald Trump's remarks triggered a political slugfest in India with the BJP launching a scathing attack on Congress and calling Rahul Gandhi a 'traitor', accusing him of colluding with foreign forces in his bid to weaken India. The Congress, on the other hand, highlighted the Indian Express report and demanded an apology from the BJP.

Praises for RSS and Modi-Pawar bonhomie at Marathi Sammelan

Agency: Prime Minister Narendra Modi and Nationalist Communist Party (SP) chief Sharad Pawar's bonhomie stood out at the 98th Akhil Bharatiya Marathi Sahitya Sammelan which began in the National Capital on Friday. Seated alongside on stage, Modi was seen pulling a chair for Pawar and later serving him a glass of water. The Prime Minister also ensured Pawar joined him in lighting the traditional lamp to declare the event open. Modi was in fact seen handing over a diya to Pawar to light. On both occasions, the gathering at Vigyan Bhavan here broke into a thunderous applause. Later in his address, Modi showered praises on the BJP's parent organisation, the RSS and remembered its Marathi founder Keshav Baliram Hedgewar. "A distinguished Marathi leader planted the seed of the Rashtriya Swayamsevak Sangh on the soil of Maharashtra. That seed has now grown into a vast tree and is celebrating its centenary year. For the past 100 years, the RSS has carried forward the great tradition and culture of India, from the Vedas to Vivekananda, to the new generation through its cultural efforts. It has been my privilege to be inspired by the RSS to live for and serve the country. It was through the RSS that I had the opportunity to connect with the Marathi language and tradition," Modi said in the presence of Pawar, leading Marathi litterateurs and Pawar, who heads the opposition NCP (SP) faction in Maharashtra. Modi said that a few months ago, Marathi was accorded the status of a classical language—a moment over 12 crore Marathi speakers in India and around the world had been awaiting. Speaking on International Mother Language Day, the Prime Minister also said, "There has never been any enmity among Indian languages. They have always enriched each other."

Microsoft Majorana 1: *What is it, how it works, what it means for you, and everything else explained*

Agency: At the World Governments Summit in Dubai last week, Google CEO Sundar Pichai said that quantum computers are what AI was for us 10 years ago. It's the future and the next big leap in technology everyone is waiting for. However, quantum computing is complex. Building a practical and scalable quantum computer is one of the most challenging problems in modern science. However, big tech is working at quite a pace to fix that problem. Microsoft on Wednesday unveiled a major breakthrough with its first quantum processor, Majorana 1. Unlike traditional quantum chips, which rely on electron-based qubits, Majorana 1 has been built using a completely new kind of material and particle, the Majorana particle. Microsoft says the chip is so powerful that it can be scaled to a million qubits while being tiny enough that it can fit in the palm of your hand. But what does a quantum chip scalable to a million qubits really mean? Microsoft says a quantum computer with a million qubits would be far more powerful than all the world's current computers put together. As Microsoft and other tech companies break down the problems and limitations of building quantum computers, let us breakdown for you everything you need to know about the Majorana 1 quantum chip. Majorana 1 is Microsoft's first quantum chip that incorporates a new type of material called a topoconductor, also known as topological superconductor. This breakthrough material allows the development and control of Majorana particles, which is a special kind of particle that does not exist naturally but can be formed under specific conditions using superconductors and magnetic fields. The topoconductor is able to create an entirely new state of matter, which is "not a solid, liquid or gas but a topological state", which provide a unique advantage in quantum computing because they make qubits — the basic units of quantum computers — more stable and less prone to errors. Most quantum processors today, including those developed by Google, Intel, and IBM, use qubits based on electrons or superconducting circuits. While these systems are promising, they need a lot of margin for complex error correction to function reliably. Microsoft's approach, using topological qubits, on the other hand, allows error resistance at the hardware level, which is able to significantly reduce the need for additional correction mechanisms. As a result, Majorana 1 can achieve better stability, faster processing, and easier scalability as compared to other quantum chips. "Whatever you're doing in the quantum space needs to have a path to a million qubits. If it doesn't, you're going to hit a wall before you get to the scale at which you can solve the really important problems that motivate us. We have actually worked out a path to a million," says Chetan Nayak, a Microsoft technical fellow stressing the importance of scalability in quantum computing.

Majorana 1 represents a huge leap in tech but it is still years away from commercial deployment. Microsoft says its researchers have worked for over 17 years to be able to develop this quantum chip. And while it has now demonstrated a working prototype, there is still engineering work to be done to refine and scale it. But Microsoft does say that Majorana 1 will help "realise quantum computers capable of solving meaningful, industrial-scale problems in years, not decades." Other tech leaders also predict practical usefulness of the technology to be years away. Google CEO Sundar Pichai estimates that quantum computers could become practically useful in the next five to ten years. Meanwhile, Nvidia CEO Jensen Huang still believes that quantum computers will take decades to become practical.

Currently, quantum computers are what AI was a decade ago - a future tech that the end consumer vaguely understands, and is only being used by scientists for research and development. For most people, quantum computing still feels like a distant technology with no immediate impact. Like we said above, the knowledge about it is also vague. Most people just understand it as a very powerful computer that can do a lot, very fast -- which is accurate but also too simplified. Which is absolutely ok, because the technology is still limited in the hands of researchers and hasn't quite taken the final shape before it reaches the hands of the end user. That said, if Majorana 1 and similar advancements from companies like Google, Intel and IBM continue, the effects will be profound. Quantum computing could have a significant impact on everyday life. For instance, it can revolutionise medicine and drug discovery by simulating molecules and chemical reactions in ways that classical computers cannot. It could solve climate change problems by helping scientists develop more efficient solar panels, batteries, and carbon capture technologies. It is also believed to contribute to the advancement of AI, which can be a dramatic improvement, by making it a lot more efficient, accurate, and capable of solving much more complex problems like predicting natural disasters or optimising traffic systems in real-time.

ED searches Mohali premises of 'suspect' of Canada gold heist

Agency: The Enforcement Directorate raided the rented house in Simran Preet Panesar, one of the nine suspects in the $20 million gold heist from the Toronto Pearson International Airport in April 2023, at Sector 79 in Mohali on Friday . The Enforcement Directorate today raided the Sector 79 house of Simran Preet Panesar, one of the nine suspects in the $20 million gold heist from the Toronto Pearson International Airport in April 2023. ED sleuths reached the suspect's house around 7 am and began investigation. An Enforcement Case Information Report (ECIR) under the Prevention of Money Laundering Act has been registered. In April 2024, the Peel Regional Police (PRP) booked nine persons, including former Air Canada supervisor Panesar and issued an arrest warrant against him. Panesar and co-accused Parampal Sidhu, who lived in Brampton, were then employed at Toronto Pearson's warehouse facility and are suspected to have played a role in the theft of cargo containing 6,600 bars of gold weighing 400 kg. Around 20 million Canadian Dollars (CAD), and foreign currency worth 2.5 million CAD also went missing on April 17, 2023. The Canada police suspect Panesar tracked the flight carrying gold till its arrival and had access to the storage facility. He is reported to have given a tour to the Canada police of the facility during investigation. Panesar reportedly left Canada three months after the theft.

India interested to host 2030 Commonwealth Games

Agency: The Sports Ministry has hinted that the country may bid for the 2030 Commonwealth Games. They are also willing to hold those sports disciplines that have been axed from the sports programme for the 2026 edition, which will be held in Glasgow, Scotland. Commonwealth Games Federation (CGF) president Chris Jenkins had already announced that the 2026 edition of the Games would be truncated because Glasgow volunteered to host at the last moment. During an interaction with The Tribune last year, Jenkins had made it very clear that the sports programme would be curtailed.

"We have also said that the number of sports, 22, is probably far too many. It should be probably around 15-17. It is widely reported (that in Glasgow) there will be 10 sports disciplines because it is only 18 months for the Games and it limits what you can put up in 18 months. But looking at 2030, that number will be back up to normal, which is 15-17," he had said in September of last year. However, the organisers left many Indian athletes hurt as they dropped boxing, wrestling, hockey, cricket, badminton, shooting, sports where Indians have excelled in the past. Other than showing an interest in hosting the 2030 edition, the ministry is mulling over holding all the sports in India next year. It is understood that the discussion has been held informally on both counts.

"We are interested in hosting the 2030 Commonwealth Games. The discussions have been opened informally, and once it is settled, we will send a letter of intent to make our intentions clear to everyone," said a source in the ministry. "We are also interested in holding a few disciplines that have been dropped for the 2026 Commonwealth Games. But we have to first get an all-clear from the organisers of the Glasgow Games as they are the host. Once we hear from them and only if they are willing, we will officially move to organise it here in India," the source added. This is not the first time that India has raised hopes of organising disciplines that are not part of the Commonwealth Games.

CIA funded Congress, revealed US officials

Agency: US President Donald Trump claimed that the Biden administration might have tried to interfere in India's political process, sparking a heated argument between the BJP and the Congress. The claim that the US deep state tries to bring about regime changes by bankrolling entities it sees as favourable to it is nothing new. In fact, there are past instances of the same in India, according to senior American officials. A former American Ambassador to India wrote in his memoir that the US paid the Congress to contain the growth of the Communist Party in Kerala and West Bengal. Trump's remarks came after he defended the Elon Musk-led Department of Government Efficiency's (DOGE) decision to cancel a $21-million fund from USAID designated for "voter turnout" in India. The $21 million is part of the $723-million in foreign aid funding from USAID that DOGE is planning to cut as part of its broader budget overhaul. Now, there are reports that the fund was meant for Bangladesh, and not India. Though this has sparked a heated debate in India, Trump doubled down, saying the USAID funding to India for "voter turnout", US President Donald Trump on Friday called the USAID funds "a kickback scheme". As is typical of Trump, he neither elaborated nor provided any evidence of the "kickbacks scheme". However, the entire controversy about the US allegedly meddling in the Indian electoral process brings back memories of the time when the American administration of President Dwight D Eisenhower reportedly paid the Congress to topple the Communist Party government in Kerala.

In 1957, Kerala became the first Indian state to elect a non-Congress government. The Communist Party of India (CPI) formed a government under the leadership of EMS Namboodiripad. It was quite rare that a Communist government was elected. And the US was concerned that Communism had taken hold outside the USSR and China, and that too, through democratic elections.

That was the time when the American government was waging a war against the spread of Communism inside the US and across the world. It was driven by Cold War tensions with the Soviet Union and fears of Communist influence. For example, in Iran, the CIA funded Operation Ajax in 1953 to topple the government of Prime Minister Mohammad Mosaddegh. It was the scare of the Communist Tudeh Party's influence on Mosaddegh that led the US to strengthen the hands of the Shah of Iran, seen as favourable to it and the UK's oil interests. The controversy has again brought to light the alleged activities of the Central Intelligence Agency (CIA) and the United States Information Service (USIS) in supporting the Indian National Congress Party in destabilising the first communist government of Kerala in 1959. In 1957, the Communist Party of India (CPI) under Namboodiripad won 60 of 126 seats in Kerala. It brought legislations for education and land reforms.

"The Communist government's measures, particularly the Agrarian Relations Bill and the Education Bill, evoked virulent opposition from caste and communal forces. The Catholic Church and the Nair Service Society were joined by the Congress and the PSP to launch a vimochana samaram (liberation struggle)," wrote CPI(M) leader Prakash Karat in an article in Outlook in 2017. Karat said the protests were initially directed against the Education Bill, the Agrarian Bill and reservations, but then it became an agitation to overthrow the Communist government itself. Protests led to clashes with cops, and seven people were killed in police firing. Prime Minister Jawaharlal Nehru used Article 356 of the Indian Constitution and imposed President's Rule in Kerala on 31 July 1959. That is how the first Communist government ended before completing its 5-year term. Historian V Krishna Ananth called it "a significant abuse of Article 356 of the Constitution". In the 1960 elections, the Congress-led coalition won 63 seats, leaving the CPI with 29. This event was one of the most important political changes in India during the Cold War. That the US and its CIA interfered in India's democratic process and played a significant role in this episode was exposed by American officials themselves. Daniel Patrick Moynihan, a former US envoy and Senator, wrote about funding the Congress against the Communists in his 1978 memoir, A Dangerous Place. Moynihan served as the US Ambassador to India between 1973 and 1975. He passed away in 2003.